दिसंबर, 2024

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु

For More Information Visit www.drishticuet.com or Contact on 8010-699-000

drishticuethindi drishticuethindi DrishtiCUET_Hindi @drishticuethindi

In the journey towards achieving a distinguished career, choosing the right guide is as crucial as the aspirant's dedication and hard work. Drishti, with its pioneering CUET (UG) program, stands as a beacon of excellence for young aspirants.

Admissions Open in English & Hindi Medium for CUET (UG) Foundation and Crash Courses

CUET (UG) Foundation & Crash Courses in English Medium

- CUET (UG) General Aptitude Test
- CUET (UG) English Language
- CUET (UG) History Domain
- CUET (UG) Political Science Domain
- CUET (UG) Geography Domain
- CUET (UG) Psychology Domain
- CUET (UG) Economics Domain
- CUET (UG) Mathematics Domain
- CUET (UG) Business Studies Domain
- CUET (UG) Accountancy Domain
- CUET (UG) Chemistry Domain
- CUET (UG) Physics Domain
- CUET (UG) Biology Domain
- CUET (UG) Combo (General Aptitude Test + English Language)

CUET (UG) फाउंडेशन और क्रेश कोर्सेस हिंदी माध्यम में

- CUET (UG) जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट
- CUET (UG) हिंदी भाषा
- CUET (UG) इतिहास डोमेन
- CUET (UG) राजनीति विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) भूगोल डोमेन
- CUET (UG) अर्थशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) समाजशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) भौतिक विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) रसायन विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) जीव विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) Combo (जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट + हिंदी भाषा)

Key Features of Drishti CUET (UG) Courses

- Best Faculties
- Live Classes
- Topic-wise Practice Worksheets
- Up-to-date Study Materials As Per Latest Syllabus
- Post Class Assistance & Doubt Solving Sessions
- Daily News Updates and Monthly Current Affairs Compilation

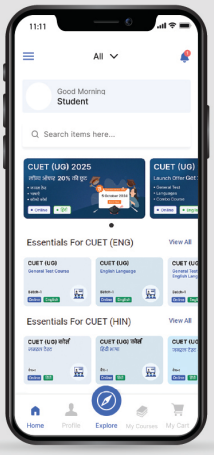

Drishti Learning App

Get that 'Online Edge' in your preparation for CUET (UG), all from the convenience of your home.

Website | YouTube | PYQ's as Quizzes | Scan me for English Courses | Scan me for Hindi Courses

For more information please contact on **87501-87501**

विवरणिका

1. संवैधानिक/प्रशासनिक घटनाक्रम

- उपराष्ट्रपति का कार्यालय 1
- विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश, 1958 2
- राज्य सभा के नियम 3

2. भूगोल

- पृथ्वी का आंतरिक भाग 4
- ला नीना 5
- ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान 5

3. पर्यावरण और पारिस्थितिकी

- चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड 6
- हाथी गलियारे 6
- रॉटन का फ्री-टेल्ड बैट 7
- गंगा नदी डॉल्फिन 7
- पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना 8

4. भारतीय अर्थव्यवस्था

- 26वें आरबीआई गवर्नर 9
- गैर -निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 10
- जीएसटी परिषद 10

5. सामान्य विज्ञान

- हीमोफीलिया के लिए नवीन जीन थेरेपी 11
- प्रोबा-3 मिशन 12

विवरणिका

- मलेरिया 12
- इसरो पीएसएलवी-सी60 स्पेडेक्स मिशन 13

6. इतिहास

- विजय दिवस 14
- शिवाजी महाराज 14

7. विश्व मामले

- नामीबिया की पहली महिला राष्ट्रपति 16

8. विविध

- पुरस्कार और सम्मान 17
- सरकारी योजनाएँ 18
- महत्वपूर्ण दिन 22
- संगठन 26
- चर्चित व्यक्तित्व 29
- चर्चित स्थल 32
- खेल 34

1 भारतीय राज्यव्यवस्था

उपराष्ट्रपति का कार्यालय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्यसभा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सदन के सभापति के पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया गया था; हालांकि, उपसभापति ने उपराष्ट्रपति के खिलाफ **अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया।**

अविश्वास प्रस्ताव क्या है?

- यह लोकसभा में एक संसदीय प्रक्रिया है जिसके माध्यम से सदस्य सरकार के प्रति अपना समर्थन न होने का इजहार करते हैं।
- यह राज्य सभा में लागू नहीं है।
- इसमें प्रवेश के लिए 50 सदस्यों का समर्थन आवश्यक है।
- यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना होगा।
- इसे भारत-चीन युद्ध में हार के बाद 1963 में पहली बार सरकार के बहुमत का परीक्षण करने के लिए लोकसभा में पेश किया गया था।
- आचार्य कृपलानी ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया।
- तब से, इसका उपयोग सत्तारूढ़ सरकारों की स्थिरता और बहुमत का मूल्यांकन करने के लिए एक राजनीतिक उपकरण के रूप में किया जाता रहा है।

भारत के उपराष्ट्रपति के बारे में

- उपराष्ट्रपति भारत में राष्ट्रपति के बाद **दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक प्राधिकारी है।**
- अमेरिकी प्रणाली से प्रेरित होकर, उपराष्ट्रपति ने मुख्य रूप से:
  - **राज्य सभा** के पदेन सभापति के रूप में इसकी अध्यक्षता करता है।
  - **असाधारण परिस्थितियों में भारत के राष्ट्रपति** के रूप में कार्य करता है, जैसे राष्ट्रपति का त्यागपत्र या मृत्यु।

उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव प्रक्रिया

- **अप्रत्यक्ष चुनाव:** उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित और मनोनीत सदस्यों वाले **निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है।**
- **राष्ट्रपति चुनाव से अंतर**
  - उपराष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल में राष्ट्रपति के निर्वाचन के विपरीत, **मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं।**
  - **राज्य विधानमंडल** इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि उपराष्ट्रपति की भूमिका राज्य सभा (राज्यों की संघ परिषद) से जुड़ी हुई है।

भारत के उपराष्ट्रपति के लिए योग्यताएं

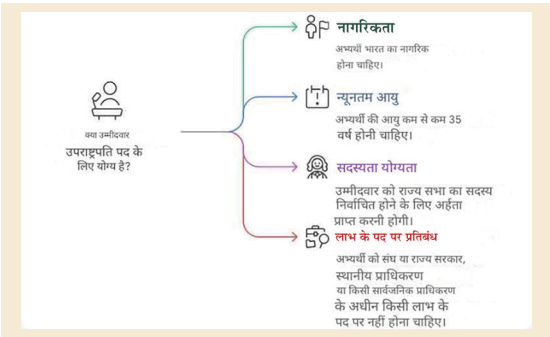

नियम और जिम्मेदारियाँ

उपराष्ट्रपति की संवैधानिक और प्रक्रियात्मक दोनों जिम्मेदारियां हैं:

- **अनुच्छेद 63:** उपराष्ट्रपति का पद स्थापित करता है।
- **अनुच्छेद 64: राज्य सभा के सभापति** के रूप में कार्य करता है तथा अन्य कोई लाभ का पद नहीं धारण कर सकता।
- **अनुच्छेद 65:** राष्ट्रपति की अनुपस्थिति के दौरान राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है, लेकिन इस अवधि के दौरान राज्यसभा से संबंधित भत्ते जब्त कर लेता है।
- **महत्वपूर्ण कार्यों**
  - **राज्य सभा** की अध्यक्षता करते हुए इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं।
  - **10वीं अनुसूची** (दल-बदल विरोधी कानून) के अंतर्गत सदस्यों की अयोग्यता पर निर्णय लेता है।
  - प्रमुख समितियों की अध्यक्षता जैसे:

- व्यापार सलाहकार समिति
- नियम समिति
- सामान्य प्रयोजन समिति

- संविधान और सदन के नियमों की व्याख्या करना, तथा निर्णय अंतिम होना।

उपराष्ट्रपति को हटाना

उपराष्ट्रपति को संविधान के **अनुच्छेद 67(बी) के तहत हटाया जा सकता है।**

- **निष्कासन प्रक्रिया**
  - **राज्य सभा में शुरुआत**
  - हटाने का प्रस्ताव राज्य सभा में शुरू होना चाहिए।
  - **14 दिन की पूर्व सूचना** आवश्यक है।
- **आवश्यक बहुमत**
  - **प्रभावी बहुमत** (उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत, अनुपस्थित/रिक्तियों को छोड़कर) द्वारा पारित होना चाहिए।
- **लोक सभा द्वारा अनुमोदन**
  - राज्यसभा की मंजूरी के बाद प्रस्ताव को लोकसभा में **साधारण बहुमत** से पारित होना होगा।
- अध्यक्ष/**उप-अध्यक्ष** इन कार्यवाहियों की अध्यक्षता नहीं कर सकते (अनुच्छेद 92)।

क्या आप जानते हैं ?

- भारत के उपराष्ट्रपति: श्री जगदीप धनखड़

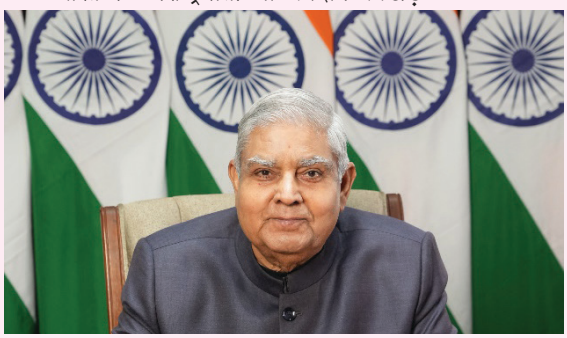

- राज्यसभा के उपसभापति: श्री हरिवंश नारायण सिंह

विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश, 1958

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर विदेशी घुसपैठ से उत्पन्न सुरक्षा चिंताओं के कारण मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में संरक्षित क्षेत्र व्यवस्था (पीएआर) को पुन: लागू कर दिया है।

संरक्षित क्षेत्र व्यवस्था (पीएआर) की मुख्य विशेषताएं

संरक्षित क्षेत्र व्यवस्था भारत के विशिष्ट संवेदनशील क्षेत्रों में विदेशियों के प्रवेश को नियंत्रित करती है। इसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- **प्रतिबंधित पहुंच**
  - विदेशियों को पूर्व सरकारी अनुमति के बिना पीएआर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में जाने की अनुमति नहीं है।
  - उन्हें यात्रा करने के लिए संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) प्राप्त करना होगा, जिससे प्राधिकारी संवेदनशील क्षेत्रों में उनकी गतिविधियों पर नजर रख सकें।
- **संवेदनशील क्षेत्र**
  - पीएआर अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के निकटवर्ती क्षेत्रों या जातीय तनाव, उग्रवाद या राजनीतिक अस्थिरता से प्रभावित क्षेत्रों को कवर करता है।
  - उदाहरण: अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम के कुछ हिस्से।

संरक्षित क्षेत्र क्या है ?

- विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश, 1958 के तहत 'आंतरिक रेखा' और 'राज्य की अंतर्राष्ट्रीय सीमा' के बीच आने वाले सभी क्षेत्रों को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है।
- संरक्षित क्षेत्र वाले राज्य:
  - सम्पूर्ण अरुणाचल प्रदेश।
  - हिमाचल प्रदेश के कुछ भाग.
  - जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्से।
  - राजस्थान के कुछ भाग.
  - संपूर्ण सिक्किम (आंशिक रूप से संरक्षित क्षेत्र और आंशिक रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र)
- इसके अलावा, विदेशी (प्रतिबंधित क्षेत्र) आदेश, 1963 के तहत निम्नलिखित क्षेत्रों को 'प्रतिबंधित क्षेत्र' घोषित किया गया है:
  - अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (आरक्षित क्षेत्र)
  - सिक्किम - राज्य का हिस्सा

- **विश्राम और पुन:स्थापन**
  - पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अतीत में अस्थायी छूट दी गई है, जैसे कि 2010 में मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में।

- हालाँकि, उभरती सुरक्षा चिंताओं के कारण इन्हें वापस ले लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पीएआर को पुन: लागू कर दिया गया।

राज्य सभा के नियम

भारतीय संसद का उच्च सदन, राज्य सभा, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए विशिष्ट नियमों का पालन करता है। दो प्रमुख नियम: नियम **267 और** नियम **176** हैं।

नियम 267: "तत्काल बहस" नियम

- **उद्देश्य:** अध्यक्ष की स्वीकृति से किसी अत्यावश्यक मामले पर बहस करने के लिए दिन के एजेंडे के नियमों को निलंबित करने की अनुमति देता है।
- **यह काम किस प्रकार करता है?**
  - राज्यसभा सदस्यों को निलंबन की मांग करने वाले दिन **सुबह 10 बजे से पहले नोटिस देना होगा।**
  - सदन में सभी सूचीबद्ध प्रक्रियाओं को निलंबित करने का प्रस्ताव मतदान के लिए रखा गया है।
  - किसी नियम के निलंबन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु सहमति देने का अधिकार केवल अध्यक्ष को ही है।
  - यदि प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो देश के समक्ष उपस्थित महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए नियमित प्रक्रियाएं स्थगित कर दी जाएंगी।
- **उदाहरण**
  - नियम 267 का प्रयोग 1990 से अब तक निम्नलिखित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर **11 बार किया जा चुका है:**
    - खाड़ी युद्ध (1991)
    - भ्रष्टाचार के मामले
    - विमुद्रीकरण (2016) - इस नियम का अंतिम बार प्रयोग किया गया था।
  - वर्ष 2017 से, सभापति एम. वेंकैया नायडू ने राफेल सौदे और जीएसटी मुद्दों जैसे विषयों के लिए इस नियम के तहत नोटिस को बार-बार खारिज कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप इसके उपयोग में पांच साल का अंतराल हो गया है।

नियम 176: "त्वरित चर्चा" नियम

- **उद्देश्य:** किसी विशेष मुद्दे पर दो-ढाई घंटे से अधिक की **लघु अवधि की चर्चा की** अनुमति देता है।
- **यह कार्य किस प्रकार संचालित होता है?**
  - सभापति परिषद के नेता या सदन के नेता के परामर्श से चर्चा की तारीख तय करते हैं।
  - इसके लिए किसी औपचारिक प्रस्ताव या मतदान प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है।
  - सदस्य संक्षिप्त वक्तव्य देते हैं; संबंधित मंत्री संक्षिप्त उत्तर देते हैं।
  - अध्यक्ष की पूर्व अनुमति से अन्य सदस्य भी चर्चा में भाग ले सकते हैं।
  - अध्यक्ष भाषण को संक्षिप्त रखने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हैं।

नियम 267 और नियम 176 के बीच मुख्य अंतर

पहलू	नियम 267	नियम 176
उद्देश्य	अत्यावश्यक, अनिर्धारित मामलों पर चर्चा करें।	महत्वपूर्ण लेकिन तत्काल जरूरी न होने वाले विषयों पर संक्षिप्त, अनुसूचित चर्चा करें।
प्रक्रिया	नियमों के निलंबन और अध्यक्ष से अनुमोदन की आवश्यकता है।	कोई औपचारिक प्रस्ताव या मतदान नहीं; अधिक अनौपचारिक
बार - बार इस्तेमाल	दुर्लभ: 1990 से अब तक 11 बार	त्वरित बहस के लिए प्रचलित।

2 भूगोल

पृथ्वी का आंतरिक भाग

- पृथ्वी का आंतरिक भाग संकेंद्रित परतों में संरचित है, जिनमें विशिष्ट भौतिक और रासायनिक गुण हैं।
- इन परतों में क्रस्ट, मेंटल, बाहरी कोर और आंतरिक कोर शामिल हैं।
- **पृथ्वी की परतें**
  - **क्रस्ट:**
    - सबसे बाहरी परत; पृथ्वी के आयतन का 0.5-1.0% है।
    - घनत्व: ~2.7 ग्राम/सेमी.; मोटाई: 5-30 किमी (महासागरीय) और 50-70 किमी (महाद्वीपीय)।
    - **संघटन:**
    - **महाद्वीपीय क्रस्ट:** फेल्सिक चट्टानें (ग्रेनाइट), सिलिका, और एल्युमिनियम (सियाल)।
    - **महासागरीय क्रस्ट:** मैफिक चट्टानें (बेसाल्ट), सिलिका और मैग्नीशियम (सिमा)।
    - तापमान: ~30°C/किमी की दर से बढ़ता है, तथा मेंटल सीमा के पास 200-400°C तक पहुँच जाता है।
    - **भूकंपीय असंततता:** मोहो (मेंटल के साथ सीमा)।
  - **मेंटल:**
    - पृथ्वी के आयतन का 83% तथा द्रव्यमान का 67% भाग इसका है।
    - 30 किमी से 2900 किमी गहराई तक फैला हुआ है।
    - **घनत्व:** 9–5.7 ग्राम/सेमी.; तापमान: 200°C से ~4000°C.
    - **संरचना:** लोहा और मैग्नीशियम से समृद्ध सिलिकेट चट्टानें (OSM - ऑक्सीजन, सिलिकॉन, मैग्नीशियम)।
    - संवहन धाराएं टेक्टोनिक प्लेटों की गति को संचालित करती हैं।
  - **एस्थेनोस्फीयर:**
    - ऊपरी मेंटल परत, 80-200 किमी. गहरी।
    - अत्यधिक चिपचिपा और तन्य; टेक्टोनिक प्लेट की गति को सुगम बनाता है।
    - ज्वालामुखी गतिविधि के लिए मैग्मा का मुख्य स्रोत।
- **बाहरी परत:**
  - तरल परत 2900-5100 किमी गहराई तक फैली हुई है।
  - लोहा और निकल (नाइफ़) से बना; घनत्व: 9.9–12.2 ग्राम/सेमी..
  - तापमान: 4400–6000°C.
  - पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र (डायनेमो सिद्धांत) के लिए उत्तरदायी।
- **भीतरी कोर:**
  - पृथ्वी के केंद्र से 5100 किमी दूर ठोस कोर।
  - 80% लौह से बना; घनत्व: 12.6–13 ग्राम/सेमी..
  - तापमान: ~6000°C, सूर्य की सतह के बराबर।
  - पृथ्वी की सतह की तुलना में थोड़ा तेज़ घूमता है।
- **भूकंपीय असंततताएं**
  - **मोहो असंततता:** भूपर्पटी और मेंटल को अलग करती है।
  - **गुटेनबर्ग असंतत्यता:** यह मेंटल और बाहरी कोर के बीच स्थित है।
- पृथ्वी की आंतरिक संरचना, अपनी गतिशील प्रक्रियाओं के साथ, इसकी भूवैज्ञानिक विशेषताओं को आकार देती है और टेक्टोनिक गतिविधियों को प्रभावित करती है।

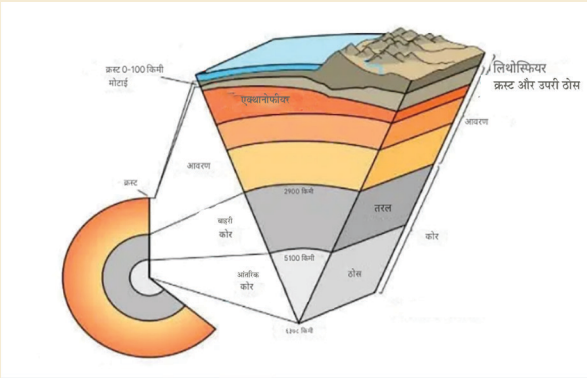

पृथ्वी का आंतरिक भाग

ला नीना

चर्चा में क्यों ?

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 2024 में ला नीना सामान्य से अधिक विलंबित हो गया है।

ला नीना क्या है ?

- ला नीना, **अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO)** का एक चरण है जो तब घटित होता है जब पूर्वी और मध्य प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक ठंडा होता है।
- **यह अल नीनो** के विपरीत है, जो उसी क्षेत्र में तापमान वृद्धि का कारण बनता है।
- ला नीना और अल नीनो दोनों ही वैश्विक मौसम पैटर्न को प्रभावित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

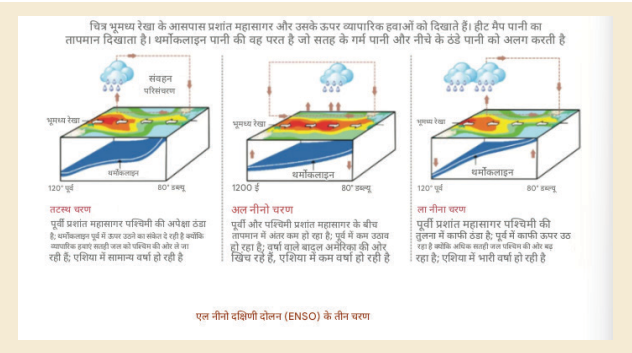

मौसम पर प्रभाव

- ला नीना आमतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को बढ़ाता है, हालांकि 2024 के मानसून मौसम पर इसका प्रभाव सीमित है।
- यदि ला नीना सितंबर या अक्टूबर तक शुरू होता है, तो यह पूर्वोत्तर मानसून (अक्टूबर-दिसंबर) को प्रभावित कर सकता है, जिससे तमिलनाडु, केरल और तटीय क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।
- ला नीना वर्षों में अधिक तीव्र चक्रवात और अधिक ठंडी सर्दियाँ देखने को मिल सकती हैं।

ला नीना 2024 में क्यों विलंबित हो रहा है ?

ला नीना आमतौर पर **प्री-मानसून** या **मानसून के** मौसम के दौरान बनता है। हालाँकि, **2024** में, इसमें असामान्य रूप से देरी हुई है, वर्तमान में **महासागरीय नीनो सूचकांक (ONI)** -0.3°C है, जबकि ला नीना आमतौर पर तब बनता है जब ONI -0.5°C या उससे कम होता है। यदि ला नीना वर्ष के अंत में बनता है, तो यह निम्न परिणाम लाएगा:

- उत्तर भारत में **अधिक ठंडी सर्दियाँ।**
- **2025 की गर्मियों** में **मजबूत मानसून।**

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान

चर्चा में क्यों ?

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) में संशोधन किया है।

जीआरएपी क्या है ?

जीआरएपी आपातकालीन उपायों का एक सेट है जिसे तब सक्रिय किया जाता है जब दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता एक निश्चित सीमा को पार कर जाती है। इसे 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी थी और 2017 में अधिसूचित किया गया था। इसका उद्देश्य वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकना है।

कार्यान्वयन

2021 से, **जीआरएपी** का प्रबंधन CAQM द्वारा किया जा रहा है, जो पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (EPCA) का स्थान ले रहा है, जिसे 2020 में भंग कर दिया गया था। CAQM IITM और IMD के वायु गुणवत्ता पूर्वानुमानों का उपयोग करता है।

जीआरएपी के चरण

- **चरण I (AQI 201-300, खराब वायु गुणवत्ता):** पुराने डीजल/पेट्रोल वाहनों पर आदेश लागू करें।
- **चरण II (AQI 301-400, बहुत खराब):** प्रदूषण हॉटस्पॉट पर कार्रवाई और डीजल जनरेटर का विनियमन।
- **चरण III (AQI 401-450, गंभीर):** पुराने वाहनों पर प्रतिबंध और छोटे बच्चों के लिए स्कूल बंद होने की संभावना।
- **चरण IV (AQI >450, गंभीर प्लस):** गैर-इलेक्ट्रिक, गैर-सीएनजी और गैर-बीएस-VI डीजल वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध।

जीआरएपी कार्यान्वयन के चरण

3 पर्यावरण और पारिस्थितिकी

चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

भारतीय पारिस्थितिकीविद् **माधव गाडगिल** को संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान, प्रतिष्ठित **चैंपियंस ऑफ़ द** अर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार स्थिरता और जलवायु कार्रवाई की दिशा में उनके महत्वपूर्ण प्रयासों को मान्यता देता है।

माधव गाडगिल के बारे में

- माधव गाडगिल **पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल के अध्यक्ष** के रूप में अपने नेतृत्व के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं।
- 2011 में, पैनल ने सिफारिश की थी कि **पश्चिमी घाट को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए)** घोषित किया जाना चाहिए, तथा इस क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा के लिए इसके विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशिष्ट नियमन का सुझाव दिया था।
- इस वर्ष के पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में वे **एकमात्र भारतीय हैं, जो वैश्विक जैव विविधता संरक्षण** पर अपने व्यापक प्रभाव को प्रदर्शित करते हैं।

पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) क्या है ?

- पारिस्थितिक रूप से **संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) वन्यजीव अभयारण्यों** या **राष्ट्रीय उद्यानों** जैसे संरक्षित क्षेत्रों के पास का क्षेत्र है, जहां पर्यावरण की रक्षा के लिए विकास गतिविधियां सीमित या प्रतिबंधित हैं।
- ये क्षेत्र **बफर क्षेत्र** के रूप में कार्य करते हैं तथा **नाजुक पारिस्थितिकी प्रणालियों** पर मानवीय गतिविधियों के प्रभाव को कम करते हैं।
- **ईएसजेड में, खनन**, बड़े पैमाने पर **निर्माण** और **औद्योगिक परियोजनाओं** जैसी गतिविधियों पर या तो **प्रतिबंध लगा दिया जाता है** या पर्यावरणीय नुकसान को कम करने के लिए उनका कड़ाई से **विनियमन किया जाता है।**
- **पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी पैनल ने** क्षेत्र की अद्वितीय जैव विविधता के संरक्षण के साथ सतत विकास को संतुलित करने के लिए **पश्चिमी घाटों को** ईएसजेड में वर्गीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

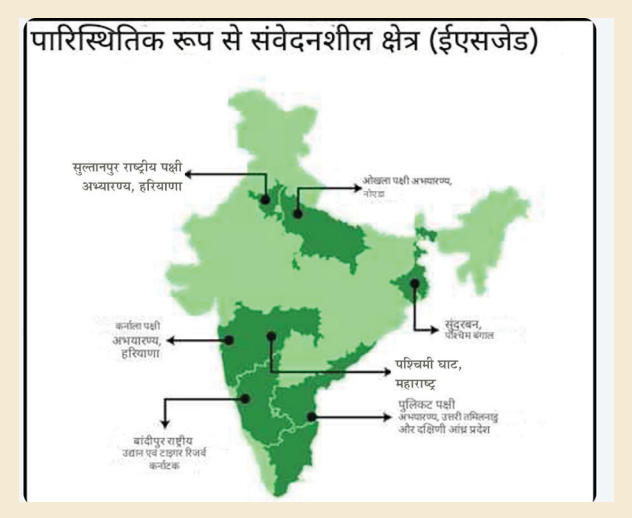

Western Ghats, Maharashtra - पश्चिमी घाट, महाराष्ट्र
Sultanpur National Bird Sanctuary, Haryana-

हाथी गलियारे

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने विभिन्न राज्य वन विभागों के साथ मिलकर भारत के 15 राज्यों में 150 हाथी गलियारों का मानचित्रण और सत्यापन किया है। ये गलियारे हाथियों के लिए उनके आवासों के बीच आवागमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसमें शामिल राज्यों में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

ये गलियारे हाथियों की आवाजाही और उनके अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों को इन आवासों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

हाथी गलियारे क्या हैं ?

- ये भूमि की पट्टियां हैं जो दो या अधिक व्यवहार्य आवास क्षेत्रों के बीच हाथियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाती हैं।

- हालांकि, यदि हाथी अन्य व्यवहार्य आवासों से जुड़े बिना वन आवासों से मानव-बहुल क्षेत्रों में चले जाते हैं, तो इसे हाथी गलियारा नहीं कहा जा सकता।

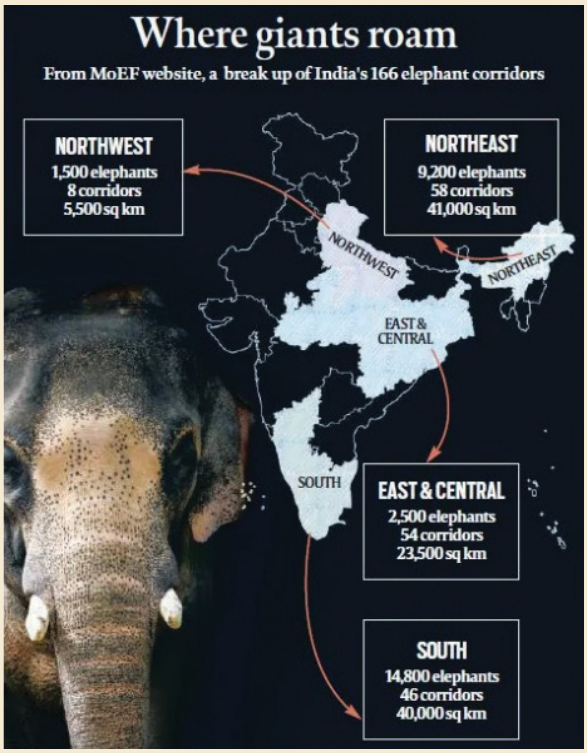

रॉटन का फ्री-टेल्ड बैट

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के यमुना जैव विविधता पार्क में मोलोसस चमगादड़ की एक दुर्लभ प्रजाति, रॉटन फ्री-टेल्ड चमगादड़ देखी गई है।

आपको क्या जानने की आवश्यकता है ?

- रॉटन का फ्री-टेल्ड चमगादड़ मुख्य रूप से पश्चिमी घाट में पाया जाता है, तथा इसकी केवल एक ही प्रजनन कॉलोनी ज्ञात है।
- मेघालय की जैंतिया पहाड़ियों में भी छोटी-छोटी कॉलोनियां देखी गई हैं, तथा कंबोडिया में भी एक अकेला व्यक्ति दर्ज किया गया है।
- यह चमगादड़ कीटों की आबादी को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा परागण में भी शामिल होता है।

प्रमुख विशेषताएं

- चमगादड़ बड़ा होता है, जिसके थूथन से आगे तक कान फैले होते हैं तथा दो रंगों वाला मखमली फर होता है।
- यह आमतौर पर गुफाओं या अंधेरे, नम और गर्म स्थानों में मध्यम बस्तियों में रहता है।
- यह प्रजाति अपनी शक्तिशाली उड़ान क्षमता के लिए जानी जाती है, जो इसे लंबी दूरी तक भोजन की तलाश करने में सक्षम बनाती है।

आईयूसीएन स्थिति

- वर्ष 2000 तक पश्चिमी घाट में इसकी एकल जनसंख्या के कारण इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त माना जाता था।
- तीन अतिरिक्त स्थानों पर खोजों के बाद, अब इस प्रजाति को IUCN रेड लिस्ट में "डेटा की कमी" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

गंगा नदी डॉल्फिन

चर्चा में क्यों ?

- भारत ने असम में पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन को सफलतापूर्वक टैग किया है, जो वन्यजीव संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- इस पहल का नेतृत्व पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), असम वन विभाग, आरण्यक के सहयोग से किया और राष्ट्रीय कैम्पा प्राधिकरण द्वारा वित्त पोषित किया गया।

गंगा नदी डॉल्फिन

गंगा नदी डॉल्फिन के बारे में

- **वैज्ञानिक नाम:** प्लैटानिस्टा गैंगेटिका, जिसे "गंगा का बाघ" कहा जाता है।
- **खोज:** आधिकारिक तौर पर 1801 में खोज की गई।

प्राकृतिक वास

- यह भारत, नेपाल और बांग्लादेश की प्रमुख नदी प्रणालियों में पाया जाता है, जिनमें गंगा, ब्रह्मपुत्र और यमुना नदियाँ शामिल हैं।

विशेषताएँ

- यह केवल मीठे पानी में रहता है तथा मूलत: अंधा होता है।
- शिकार को पकड़ने और उसका पता लगाने के लिए अल्ट्रासोनिक ध्वनि का उपयोग किया जाता है।
- आमतौर पर अकेले या छोटे समूहों में पाए जाते हैं
- माताएं अपने बछड़ों के साथ यात्रा करती हैं।
- मादाएं नर से बड़ी होती हैं और हर 2-3 साल में बच्चे को जन्म देती हैं।
- सांस लेने के लिए इसे हर 30-120 सेकंड में सतह पर आना पड़ता है, इसलिए इसका नाम "सुसु" है।

महत्त्व

- यह नदी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का एक विश्वसनीय संकेतक है।
- 2009 में इसे भारत का राष्ट्रीय जलीय पशु और असम का राज्य जलीय पशु घोषित किया गया।

प्रमुख खतरे

- मछली पकड़ने के उपकरण में उलझने से अनजाने में हुई हत्या।
- डॉल्फिन तेल के लिए अवैध शिकार, जिसका उपयोग मछली को आकर्षित करने और औषधीय प्रयोजनों के लिए किया जाता है।
- विकास परियोजनाओं से आवास विनाश, प्रदूषण, तथा जहाज यातायात से शोर।

संरक्षण स्थिति

- आईयूसीएन: लुप्तप्राय।
- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I में सूचीबद्ध।
- सीआईटीईएस: परिशिष्ट I.
- सीएमएस: परिशिष्ट I.

संबंधित सरकारी पहल

- प्रोजेक्ट डॉल्फिन.
- बिहार में विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य।
- राष्ट्रीय गंगा नदी डॉल्फिन दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना के बारे में

- पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना एक अंतर-राज्यीय नदी-जोड़ो परियोजना है, जिसे पार्वती, नेवज और कालीसिंध नदियों के अधिशेष जल को मध्य प्रदेश में चंबल नदी और आगे राजस्थान में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) तक ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस परियोजना का उद्देश्य राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच जल बंटवारे, लागत वितरण और जल विनिमय को संबोधित करना है।

उद्देश्य

- राजस्थान के 21 जिलों को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराना।
- राजस्थान और मध्य प्रदेश में विकास को बढ़ावा देना।

शामिल नदियाँ

- **चंबल नदी:** सिंगार चौरी चोटी, विंध्य पर्वत, इंदौर, मध्य प्रदेश से निकलती है। प्रमुख सहायक नदियों में बनास, काली सिंध, सिप्रा और पारबती शामिल हैं।
- **पार्वती नदी:** विंध्य रेंज, सीहोर जिला, मध्य प्रदेश से निकलती है।
- **काली सिंध नदी:** बागली, देवास जिला, मध्य प्रदेश से निकलती है। प्रमुख सहायक नदियों में परवान, नेवज और आहू शामिल हैं।

4 भारतीय अर्थव्यवस्था

26वें आरबीआई गवर्नर

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने 9 दिसंबर, सोमवार को वर्तमान राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 26वां गवर्नर नियुक्त किया। मल्होत्रा शक्तिकांत दास का स्थान लेंगे, जो पिछले छह वर्षों से भारतीय केंद्रीय बैंक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

आरबीआई के बारे में

- यह केंद्रीय नियामक प्राधिकरण है जो भारत की बैंकिंग प्रणाली की देखरेख और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्रा आपूर्ति का प्रबंधन करने के लिए जिम्मेदार है।
- **आरबीआई के उद्देश्य:**
  - बैंक नोटों के जारीकरण को विनियमित करना।
  - आरक्षित निधियां रखकर मौद्रिक स्थिरता बनाए रखें।
  - देश की ऋण और मुद्रा प्रणालियों का संचालन करना।
  - आर्थिक विकास के साथ मूल्य स्थिरता को संतुलित करें।
- **ऐतिहासिक मील के पत्थर:**
  - 1926: हिल्टन यंग आयोग ने एक केंद्रीय बैंक की स्थापना की सिफारिश की।
  - 1934: आरबीआई अधिनियम पारित हुआ, जिससे उसे कानूनी ढांचा प्रदान किया गया।
  - 1935: आरबीआई ने कलकत्ता में परिचालन शुरू किया।
  - 1937: मुख्यालय मुम्बई स्थानांतरित हुआ।
  - 1949: राष्ट्रीयकृत होकर सरकारी स्वामित्व वाली इकाई बना दिया गया, जिससे भारत केन्द्रीय बैंक वाला पहला ब्रिटिश उपनिवेश बन गया।
- **आरबीआई के कार्य:**
  - **मुद्रा जारी करना:** ₹1 के नोट और सिक्कों को छोड़कर सभी नोट जारी करता है, जिनका प्रबंधन भारत सरकार द्वारा किया जाता है।
  - **सरकार का बैंकर:** खातों, प्रतिभूतियों को संभालता है, और सरकार को वित्तीय सलाह प्रदान करता है।
  - **बैंकर्स बैंक:** वाणिज्यिक बैंकों के लिए आरक्षित निधियों का रखरखाव, वित्तीय सहायता प्रदान करना, तथा बिलों की पुनर्कटौती करना।
  - **अंतिम उपाय का ऋणदाता:** बैंकों को आपातकालीन वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
  - **विदेशी मुद्रा प्रबंधन:** रुपए को स्थिर करने और व्यापार को समर्थन देने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखता है।
  - **ऋण नियंत्रण:** मुद्रास्फीति और अपस्फीति को प्रबंधित करने के लिए धन की आपूर्ति को नियंत्रित करता है।
  - **बैंकों का विनियमन:** आरबीआई अधिनियम, 1934 और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत बैंकों को लाइसेंस प्रदान करता है और परिचालन मानक निर्धारित करता है।
  - **प्रचारात्मक गतिविधियाँ:** वित्तीय समावेशन, डिजिटल बैंकिंग, उपभोक्ता शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग विकास को बढ़ावा देना।

गैर -निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए)

चर्चा में क्यों ?

भारतीय बैंकों ने हाल ही में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) या उन ऋणों को कम करने में अपनी सफलता पर प्रकाश डाला है, जिन पर उधारकर्ताओं ने पिछले दो वर्षों में चूक की है।

नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (NPA) क्या है ?

NPA से तात्पर्य ऐसे ऋणों से है जो मूलधन या ब्याज के निर्धारित भुगतान पर चूक या बकाया हैं। आम तौर पर, किसी ऋण को गैर-निष्पादित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि कम से कम 90 दिनों तक भुगतान नहीं किया गया हो।

- **सकल एनपीए:** चूक किये गये ऋणों की कुल राशि।
- **शुद्ध एनपीए:** सकल एनपीए से प्रावधान राशि घटाने के बाद शेष राशि।

बैड बैंक क्या है ?

बैड बैंक एक वित्तीय इकाई है जो बैंकों से एनपीए या खराब ऋण खरीदती है ताकि उन्हें बोझ से राहत मिल सके। इससे बैंकों को अधिक स्वतंत्र रूप से उधार देने की अनुमति मिलती है। बाद में बैड बैंक एनपीए को पुनर्गठित करने और उच्च मूल्य पर बेचने का प्रयास कर सकता है। हालाँकि इसका लक्ष्य लाभ कमाना नहीं है, लेकिन प्राथमिक उद्देश्य बैंकों की तनावग्रस्त संपत्तियों को कम करना और अधिक उधार देने को प्रोत्साहित करना है।

जीएसटी परिषद

जीएसटी परिषद के बारे में

- यह संवैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन पर सिफारिशें करने के लिए की गई है।
- इसका उद्देश्य पूरे देश में कर ढांचे को सरल और एकीकृत करना है।

संवैधानिक प्रावधान

- इसकी स्थापना 101वें संशोधन अधिनियम, 2016 द्वारा सम्मिलित अनुच्छेद 279ए के तहत की गई थी।
- इसका गठन 2016 में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा किया गया था।

सदस्यों

- केंद्रीय वित्त मंत्री (अध्यक्ष)।
- केंद्रीय राज्य मंत्री (वित्त)।
- प्रत्येक राज्य अपने वित्त/कराधान मंत्री या अन्य मंत्री को नामित करता है।

कार्य

- जीएसटी दरों, छूटों और कानूनों की सिफारिशें।
- विशिष्ट उत्पादों के लिए दर स्लैब और संशोधन निर्धारित करता है।
- राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों और प्राकृतिक आपदाओं जैसी आपात स्थितियों के लिए अतिरिक्त दरों पर विचार किया जाता है।

कार्यरत

- निर्णय लेने के लिए तीन-चौथाई बहुमत की आवश्यकता होती है।
- कोरम: कुल सदस्यों का 50%.
- वोट वेटेज
- केन्द्र सरकार: एक तिहाई।
- राज्य सरकारें (संयुक्त): दो-तिहाई।
- प्रारंभ में सिफारिशें बाध्यकारी थीं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय (2022) ने फैसला दिया कि वे बाध्यकारी नहीं हैं, क्योंकि संसद और राज्य विधानसभाएं दोनों जीएसटी पर कानून बना सकती हैं।

नोट:

- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक मूल्यवर्धित (एड वैलोरम) कर प्रणाली है जो भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाता है।
- यह एक व्यापक अप्रत्यक्ष कर है जिसे भारत में 1 जुलाई 2017 को 101वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 के माध्यम से 'एक राष्ट्र एक कर' के नारे के साथ लागू किया गया था।

5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

हीमोफीलिया के लिए नवीन जीन थेरेपी

चर्चा में क्यों ?

भारतीय शोधकर्ताओं ने **गंभीर हीमोफीलिया ए**, एक दुर्लभ आनुवंशिक रक्तस्राव विकार के लिए **जीन थेरेपी का सफलतापूर्वक परीक्षण करके एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।**

हीमोफीलिया क्या है ?

यह **एक दुर्लभ, वंशानुगत रक्त विकार है जिसके कारण रक्त का थक्का कम बनता है, जिसके परिणामस्वरूप रक्तस्राव या चोट लगने का जोखिम बढ़ जाता है। यह तब होता है जब शरीर पर्याप्त मात्रा में थक्का बनाने वाले कारक** नहीं बनाता है, जो आवश्यक प्रोटीन होते हैं जो रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए रक्त के थक्के बनाने में मदद करते हैं।

हीमोफीलिया के प्रकार

- **हीमोफीलिया ए:**
  - **फैक्टर VIII नामक** थक्का बनाने वाले प्रोटीन की कमी के कारण होता है।
  - **व्यापकता:** सबसे आम प्रकार, जो विश्व भर में लगभग 100,000 लोगों में से 10 को प्रभावित करता है।
  - **इसे "क्लासिक हीमोफीलिया"** के नाम से भी जाना जाता है।
- **हीमोफीलिया बी:**
  - **फैक्टर IX** की कमी के कारण होता है।
  - **व्यापकता:** अमेरिका में **100,000 लोगों में से लगभग 3 को प्रभावित करता है**
  - **इसे "क्रिसमस रोग"** के नाम से भी जाना जाता है, जिसका नाम पहले पहचाने गए रोगी के नाम पर रखा गया है।
- **हीमोफीलिया सी:**
  - **फैक्टर XI** की कमी के कारण होता है।
  - **व्यापकता:** बहुत दुर्लभ, 100,000 लोगों में से केवल 1 को प्रभावित करता है।
  - ए और बी के विपरीत, यह **दोनों लिंगों को समान रूप से** प्रभावित करता है।

हीमोफीलिया के लिए जीन थेरेपी के बारे में

जीन थेरेपी एक नई उपचार पद्धति है जिसमें **एक ही बार में** एक **उपचारात्मक जीन को** लीवर में डाला जाता है। यह जीन लीवर को गायब **फैक्टर VIII** का उत्पादन करने में सक्षम बनाता है, जो थक्के के लिए महत्वपूर्ण है।

- **यह कैसे काम करता है:** इस थेरेपी में **एडिनोवायरस** (एक प्रकार का वायरस) **को वेक्टर के रूप में प्रयोग किया जाता है, जो चिकित्सीय जीन को** लीवर तक पहुंचाता है, जिससे लीवर फैक्टर VIII का उत्पादन शुरू कर देता है।

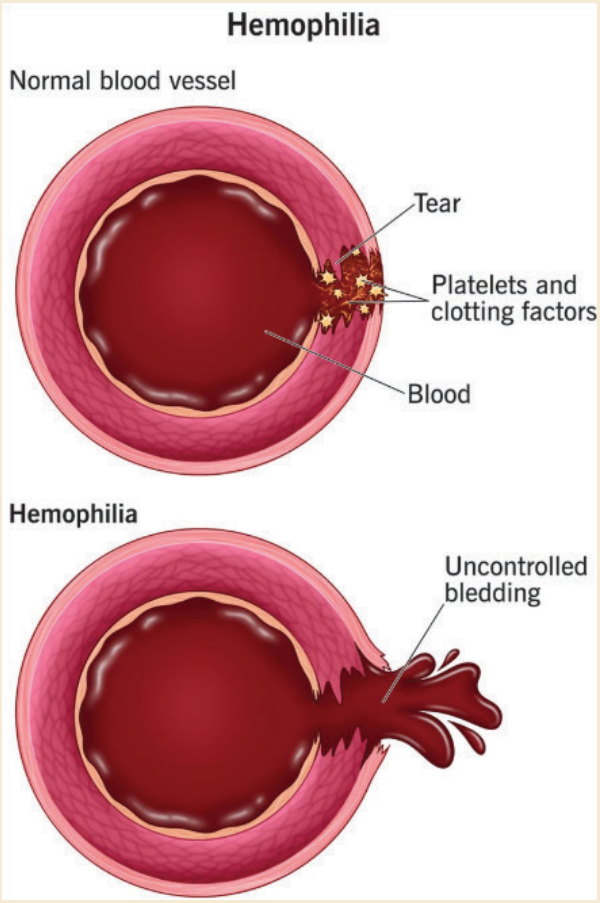

प्रोबा-3 मिशन

चर्चा में क्यों ?

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को 5 दिसंबर, 2024 को 10:34 GMT (4:04 PM IST) पर श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से PSLV-C59 के जरिए सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

प्रोबा-3 मिशन के बारे में

- **मिशन लक्ष्य:** प्रोबा-3 ईएसए द्वारा एक इन-ऑर्बिट डेमोंस्ट्रेशन (आईओडी) मिशन है।
- **उद्देश्य:** अंतरिक्ष में सटीक उड़ान का प्रदर्शन करना।
- **घटक:** कोरोनाग्राफ अंतरिक्ष यान (सीएससी) और ऑकुल्टर अंतरिक्ष यान (ओएससी) एक साथ उड़ान भरेंगे।

प्रोबा-3 मिशन का अंतरिक्ष यान

मिशन की विशेषताएं

- **सटीक संरचना-उड़ान:** प्रोबा-3 दुनिया का पहला सटीक संरचना-उड़ान मिशन है।
  - **उपग्रहों की संरचना:** दोनों उपग्रह सूर्य के साथ पंक्तिबद्ध होकर एक दूसरे से 150 मीटर की दूरी पर एक निश्चित संरचना बनाए रखेंगे।
  - **दोलन अवरोधन:** ओएससी सौर डिस्क को अवरुद्ध कर देगा, जिससे सीएससी को सूर्य के धुंधले कोरोना (बाहरी वायुमंडल) का लगातार निरीक्षण करने में मदद मिलेगी।
- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:** यह मिशन एक कक्षीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य करेगा, जो निम्नलिखित का प्रदर्शन करेगा:
  - मिलन स्थल और निकटता संचालन.
  - फॉर्मेशन उड़ान प्रौद्योगिकियां।
  - मिशन नियंत्रण के लिए नवीन मेट्रोलोजी सेंसर और नियंत्रण एल्गोरिदम।
- **वैज्ञानिक अवलोकन:** इस मिशन का उद्देश्य सूर्य के कोरोना के निरंतर दृश्य उपलब्ध कराना है, जिससे सौर अवलोकन पर मूल्यवान वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध हो सके।

मलेरिया

चर्चा में क्यों ?

भारत 2024 में डब्ल्यूएचओ के उच्च बोझ से उच्च प्रभाव वाले समूह से बाहर निकल जाएगा, जो मलेरिया के खिलाफ उसकी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा

मलेरिया के बारे में

- **कारण:** प्लाज्मोडियम परजीवी के कारण होने वाला एक जानलेवा रक्त रोग, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है।
- **प्रमुख परजीवी:** मनुष्यों में मलेरिया उत्पन्न करने वाली 5 प्लास्मोडियम प्रजातियों में से पी. फाल्सीपेरम और पी. विवैक्स सबसे बड़ा खतरा हैं।
- **प्रभावित क्षेत्र:** मुख्यत: अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
- **संक्रमण:** मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काटने से संक्रमित हो जाते हैं और दूसरे व्यक्ति को काटने पर परजीवी को फैलाते हैं। परजीवी लीवर तक पहुँचते हैं, परिपक्व होते हैं और लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं।
- **लक्षण:** बुखार, कम्पन, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान और फ्लू जैसी बीमारी।
- **स्थिति:** मलेरिया की रोकथाम और उपचार संभव है।

क्या आप जानते हैं ?

जून को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के तहत मलेरिया विरोधी माह के रूप में मनाया जाता है। प्रयासों में बेहतर केस रिपोर्टिंग, प्रभावी प्रबंधन, उन्नत महामारी विज्ञान और कीट विज्ञान संबंधी जांच और तीव्र वेक्टर नियंत्रण उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी)

- **उद्देश्य:** भारत में छह वेक्टर जनित रोगों: मलेरिया, डेंगू, लिम्फैटिक फाइलेरिया, कालाजार, जापानी इंसेफेलाइटिस और चिकनगुनिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसी।
- **प्राधिकरण:** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

इसरो पीएसएलवी-सी60 स्पेडेक्स मिशन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 30 दिसंबर, 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रात 10:00 बजे पीएसएलवी-सी60/स्पेडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) दो उपग्रहों, चेज़र और टारगेट को कक्षा में स्थापित करेगा।

स्पैडेक्स मिशन के बारे में

- **मिशन का लक्ष्य:** इसरो द्वारा शुरू किए गए अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पेडेक्स) का उद्देश्य स्वायत्त अंतरिक्ष डॉकिंग क्षमताओं का विकास करना है।
- **घटक:** इस मिशन में दो छोटे अंतरिक्ष यान, चेज़र (SDX01) और टार्गेट (SDX02) शामिल हैं, जो कक्षा में डॉकिंग प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करेंगे।

मिशन की मुख्य विशेषताएं

- इस मिशन में प्रक्षेपण यान के रूप में पी.एस.एल.वी.-सी60 का उपयोग किया गया है।
- इसमें दो छोटे अंतरिक्ष यान, चेज़र (SDX01) और टार्गेट (SDX02) शामिल हैं, जो कक्षा में डॉकिंग तकनीक का प्रदर्शन करेंगे।

महत्व

- यह प्रौद्योगिकी भविष्य के चंद्र मिशनों सहित उन्नत अंतरिक्ष पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।
- यह भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) और अन्य महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अन्वेषण परियोजनाओं के विकास की नींव रखता है।

ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)

भारत का तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान, पीएसएलवी, द्रव प्रणोदन चरणों को शामिल करने वाला पहला प्रक्षेपण यान है, जिसने भारतीय अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक विश्वसनीय कार्य वाहन के रूप में ख्याति अर्जित की है।

- **उपलब्धियाँ:** 1994 में अपने पहले सफल प्रक्षेपण के बाद से, पीएसएलवी ने 2017 तक 48 भारतीय और 209 अंतर्राष्ट्रीय उपग्रहों को तैनात करते हुए लगातार 39 सफल मिशन पूरे किए हैं। उल्लेखनीय मिशनों में चंद्रयान-1 (2008) और मंगल ऑर्बिटर मिशन (2013) शामिल हैं।
- **डिजाइन:** एक ठोस रॉकेट मोटर (प्रथम और तृतीय चरण) और द्रव इंजन (द्वितीय और चतुर्थ चरण) से युक्त चार-चरणीय प्रणाली कुशल उपग्रह तैनाती सुनिश्चित करती है।

6 इतिहास

विजय दिवस

चर्चा में क्यों?

विजय दिवस हर साल **16 दिसंबर** को मनाया जाता है। यह दिन **1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध** में भारत की जीत और **बांग्लादेश के निर्माण** की ऐतिहासिक घटना को चिह्नित करता है।

ऐतिहासिक महत्व

- **16 दिसंबर 1971** को **पूर्वी पाकिस्तान** (वर्तमान बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
- यह आत्मसमर्पण **1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध** के अंत को दर्शाता है, एक ऐसा संघर्ष जिसने दक्षिण एशिया के राजनीतिक मानचित्र को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया और **बांग्लादेश के गठन** का मार्ग प्रशस्त किया।
- यह दिन न केवल भारत की सैन्य जीत के रूप में मनाया जाता है, बल्कि बांग्लादेश **की स्वतंत्रता** के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में भी मनाया जाता है।

1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध

- **युद्ध अवधि:** भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 का युद्ध **3 दिसंबर** को शुरू हुआ और **13 दिनों** तक चला।
- **युद्ध का कारण:** यह संघर्ष **पूर्वी पाकिस्तान** (अब बांग्लादेश) में **मानवीय संकट** के कारण शुरू हुआ, जहाँ पाकिस्तानी सेना ने नागरिक आबादी के खिलाफ़ आक्रमण शुरू किया। भारत ने **बंगाली स्वतंत्रता आंदोलन का** समर्थन करने के लिए हस्तक्षेप किया।
- **पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण: 16 दिसंबर 1971** को पाकिस्तानी सेना के कमांडर **जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाज़ी ने भारत** और **बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी की** संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
- **सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण:** लगभग **93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने** आत्मसमर्पण किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद **सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था।**
- **बांग्लादेश का जन्म:** युद्ध के परिणामस्वरूप **बांग्लादेश का निर्माण हुआ** और देश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ।

विजय दिवस का महत्व

- **बलिदान स्मरणोत्सव:** यह दिन उन भारतीय सैनिकों की **वीरता और बलिदान** को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने **1971 के युद्ध** में वीरतापूर्वक संघर्ष किया।
- **स्वतंत्रता का प्रतीक:** विजय दिवस **पाकिस्तानी सैन्य उत्पीड़न** से बांग्लादेश की **स्वतंत्रता का** प्रतीक है।
- **राष्ट्रीय गौरव:** यह दिन **एकता को बढ़ावा देता है और देशभक्ति** की भावना को बढ़ावा देता है, नागरिकों को **स्वतंत्रता** और **संप्रभुता** की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है।

क्या आप जानते हैं?

1971 के युद्ध के दौरान भारतीय सेना के प्रमुख जनरल सैम मानेकशॉ ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अपनी रणनीतिक प्रतिभा और नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने कई मोर्चों पर सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए और भारतीय सेना को निर्णायक जीत दिलाई। मानेकशॉ के नेतृत्व ने उन्हें 1971 के युद्ध में "भारत की जीत के वास्तुकार" की उपाधि दिलाई और वे भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बने रहे।

शिवाजी महाराज

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख सेक्टर में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के करीब 14,300 फीट की ऊंचाई पर पैंगोंग झील के तट पर छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा स्थापित की है। इस प्रतिमा का अनावरण सेना की लेह स्थित 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया, जिसे व्यापक रूप से फायर एंड फ्यूरी कोर के रूप में जाना जाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज: एक संक्षिप्त अवलोकन

प्रारंभिक जीवन और सत्ता तक उत्थान

- **जन्म:** 19 फरवरी, 1630, पुणे, महाराष्ट्र के पास शिवनेरी किले में।
- **माता-पिता: शाहजी भोंसले**, एक मराठा सेनापति और **जीजाबाई**, एक धर्मनिष्ठ और प्रभावशाली व्यक्ति।

- **प्रारंभिक उपलब्धि:** 1645 में किशोरावस्था में ही तोरणा और कोंडाना किलों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया।

मुगलों से संघर्ष

शिवाजी का सबसे महत्वपूर्ण और निरंतर संघर्ष मुगल साम्राज्य के साथ था, विशेष रूप से सम्राट **औरंगजेब** के अधीन। इस अवधि के दौरान उनके सैन्य अभियान मराठा साम्राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण थे।

- **1657:** अहमदनगर और जुन्नार के निकट मुगल क्षेत्रों पर छापा मारा और दक्कन क्षेत्र में मुगल सत्ता को चुनौती दी।
- **1659:** पुणे में मुगल सेनापति **शाइस्ता खान को हराया। यह जीत मराठा शक्ति को स्थापित करने में महत्वपूर्ण क्षण था।**
- **1664:** पश्चिमी तट पर स्थित रणनीतिक और समृद्ध बंदरगाह सूरत के मुगल-नियंत्रित बंदरगाह को लूटा, जिससे मुगल शासन के खिलाफ उनकी अवज्ञा और मजबूत हुई।
- **1665: पुरंदर की संधि** पर हस्ताक्षर किये, जिसमें मुगलों को 23 किले सौंपने पर सहमति व्यक्त की गई, लेकिन फिर भी अपनी राजनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में कामयाब रहे।

महत्त्वपूर्ण युद्ध	
युद्ध	**विवरण**
प्रतापगढ़ का युद्ध, 1659	महाराष्ट्र के सतारा शहर के पास प्रतापगढ़ के किले पर **मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और आदिलशाही सेनापति अफजल खान की सेनाओं के बीच लड़ाई हुई।**
पवन खिंड की लड़ाई, 1660	महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर के पास विशालगढ़ किले के आसपास के पहाड़ी दर्रे पर **मराठा सरदार बाजी प्रभु देशपांडे और आदिलशाही के सिद्दी मसूद के बीच लड़ाई हुई।**
सूरत की लूट, 1664	**छत्रपति शिवाजी महाराज और मुगल कप्तान इनायत खान** के बीच गुजरात के सूरत शहर के पास लड़ाई हुई।
पुरंदर की लड़ाई, 1665	**मुगल साम्राज्य और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ाई हुई।**
सिंहगढ़ की लड़ाई, 1670	महाराष्ट्र के पुणे शहर के पास सिंहगढ़ किले पर **मराठा शासक शिवाजी महाराज के सेनापति तानाजी मालुसरे और** मुगल सेना प्रमुख जय सिंह प्रथम के अधीन किलेदार उदयभान राठौड़ के बीच लड़ाई हुई।
कल्याण की लड़ाई, 1682-83	**मुगल साम्राज्य के बहादुर खान ने मराठा सेना को हराकर** कल्याण पर अधिकार कर लिया।
संगमनेर की लड़ाई, 1679	**मुगल साम्राज्य और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ा गया।** यह **आखिरी लड़ाई थी जिसमें मराठा राजा शिवाजी ने लड़ाई लड़ी थी।**

गिरफ्तारी और पलायन

- **1666:** आगरा में एक बैठक के दौरान औरंगजेब ने शिवाजी को कैद कर लिया। अपनी भागने की कला के लिए मशहूर शिवाजी अपने बेटे संभाजी के साथ मिठाई की टोकरी में भाग निकले, जिससे उनकी स्थिति और मजबूत हुई और वे लचीलापन और चालाकी के प्रतीक बन गए।
- अपने पलायन के बाद, शिवाजी ने शीघ्र ही खोए हुए क्षेत्रों को पुन: प्राप्त कर लिया और मराठा प्रभुत्व को पुन: स्थापित करने के लिए सैन्य अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसमें रायगढ़ किले पर सफलतापूर्वक पुन: कब्ज़ा करना भी शामिल था।

उपाधियाँ और उपलब्धियाँ

उन्होंने कई उपाधियाँ धारण कीं, जिनमें शककर्ता (राज्य के निर्माता), **क्षत्रिय कुलवंत** (योद्धा वर्ग के रक्षक), और **हैनदव धर्मोद्धारक** (हिंदू आस्था के रक्षक) शामिल हैं।

मृत्यु और विरासत

शिवाजी महाराज का निधन **3 अप्रैल, 1680 को रायगढ़ किले** में हुआ था, और वे अपने पीछे एक अमिट विरासत छोड़ गए। उनकी मृत्यु ने एक युग का अंत कर दिया, लेकिन मराठा साम्राज्य उनके उत्तराधिकारियों के नेतृत्व में कई वर्षों तक फलता-फूलता रहा, जिसमें उनके बेटे **संभाजी** और बाद में **शिवाजी के वंशज** शामिल थे।

7 विश्व मामले

नामीबिया की पहली महिला राष्ट्रपति

नेटुम्बो नंदी-नदैतवा

चर्चा में क्यों ?

नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने नामीबिया की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर इतिहास रच दिया। देश के आठवें राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें 57% वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी पंडुलेनी इतुला को 26% वोट मिले। इसके अलावा, उनकी पार्टी SWAPO (साउथवेस्ट अफ्रीका पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन) ने नेशनल असेंबली चुनावों में 96 में से 51 सीटें जीतीं।

नामीबिया के बारे में

- **स्थान:** दक्षिणी अफ्रीका, अंगोला, जाम्बिया, बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका और अटलांटिक महासागर से घिरा हुआ।
- **राजधानी:** विंडहोक
- **मुद्रा:** नामीबियाई डॉलर (एनएडी), जो दक्षिण अफ्रीकी रैंड (जेडएआर) के बराबर है।
- **सरकार:** लोकतांत्रिक गणराज्य
- **राजनीतिक प्रणाली:** बहुदलीय, राष्ट्रपति प्रणाली।
  - नामीबिया का राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख और सरकार का प्रमुख दोनों होता है।
  - देश में द्विसदनीय संसद है जिसमें राष्ट्रीय सभा और राष्ट्रीय परिषद शामिल हैं।
- **स्वतंत्रता:** 1990 में दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्रता प्राप्त हुई।
- **अर्थव्यवस्था:** प्रमुख क्षेत्रों में खनन (हीरे, यूरेनियम), कृषि और पर्यटन शामिल हैं।
- **जनसंख्या:** लगभग 2.5 मिलियन.
- **अंतर्राष्ट्रीय सदस्यताएँ:**
  - **संयुक्त राष्ट्र (यूएन):** 1990 से सदस्य।
  - **अफ्रीकी संघ (एयू):** संस्थापक सदस्य।
  - **दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी):** क्षेत्रीय सहयोग के लिए सदस्य।
  - **राष्ट्रमंडल राष्ट्र:** जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के अधीन नामीबिया के औपनिवेशिक अतीत के बावजूद, इसने पूर्व ब्रिटिश उपनिवेशों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे हैं।
  - **विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ):** वैश्विक व्यापार चर्चाओं में सक्रिय सदस्य।

अफ्रीका में नामीबिया का स्थान

8 विविध

पुरस्कार और सम्मान

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

- राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) ने 567 व्यक्तियों को एक साथ वर्मम थेरेपी देने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है, जिससे सिद्ध चिकित्सा की वैश्विक मान्यता प्रदर्शित होती है।

वर्मम थेरेपी के बारे में मुख्य तथ्य

- **पारंपरिक चिकित्सा पद्धति**
  - वर्मम थेरेपी सिद्ध चिकित्सा पद्धति का एक अभिन्न अंग है।
  - यह मस्कुलोस्केलेटल दर्द, चोटों और तंत्रिका संबंधी विकारों के उपचार में अपनी प्रभावशीलता के लिए जाना जाता है।
- **वर्माकलाई से कनेक्शन**
  - वर्माकलाई, एक मार्शल आर्ट है जो वर्माम थेरेपी से बहुत करीब से जुड़ी हुई है, इसे अक्सर युद्ध तकनीक समझ लिया जाता है।
  - वास्तव में, यह एक चिकित्सीय अभ्यास है जो दबाव बिंदुओं के माध्यम से उपचार पर केंद्रित है।
- **चिकित्सा अनुप्रयोग**
  - वर्मम थेरेपी का उपयोग तीव्र और पुरानी दोनों स्थितियों के इलाज के लिए किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:
    - आघात
    - वात रोग
    - आघात-संबंधी चोटें
- **वैश्विक मान्यता**
  - बड़े स्तर पर वर्मम थेरेपी के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सिद्ध चिकित्सा की उपचार क्षमता पर प्रकाश डालता है।
  - यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर पारंपरिक भारतीय स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान की भूमिका को पुष्ट करती है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

पुरस्कार प्राप्तकर्ता

- गगन गिल को उनके कविता संग्रह "मैं जब तक आई बाहर" के लिए सम्मानित किया गया है।
- ईस्टरिन किरे को उनके उपन्यास "स्पिरिट नाइट्स" के लिए सम्मानित किया गया है।

चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती नेतृत्व पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

विदेश मंत्री एस. जयशंकर को दक्षिण भारतीय शिक्षा सोसाइटी (एसआईईएस) द्वारा सार्वजनिक नेतृत्व के लिए श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार के बारे में

- श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार एसआईईएस द्वारा उन व्यक्तियों को दिया जाने वाला एक वार्षिक सम्मान है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
- कांची कामकोटि पीठम के 68वें शंकराचार्य श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती के नाम पर यह पुरस्कार उनकी बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक नेतृत्व और मानवता की सेवा के लिए दिया जाता है।

उद्देश्य

- विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देना और सम्मानित करना।
- सार्वजनिक नेतृत्व, सामुदायिक सेवा, शिक्षा, साहित्य और आध्यात्मिकता में योगदान का जश्न मनाना।

श्रेणियाँ

यह पुरस्कार कई क्षेत्रों में प्रदान किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:

- सार्वजनिक नेतृत्व

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा
- भारतीय संस्कृति और दर्शन

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सेवा, नेतृत्व और समर्पण के मूल्यों को कायम रखता है, जिसका उदाहरण श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती हैं।

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

बारे में

- **उद्देश्य:** भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान, जो चार वर्षों में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है।
- **स्थापना:** 1991-1992 में स्थापित।
- **प्रथम प्राप्तकर्ता:** शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद।
- **उल्लेखनीय विजेता:** लिएंडर पेस, सचिन तेंदुलकर, धनराज पिल्ले, पुलेला गोपीचंद, अभिनव बिंद्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज, मैरी कॉम और रानी रामपाल (2020)।

मेजर ध्यानचंद

- अपने असाधारण फील्ड हॉकी कौशल के लिए "द विजार्ड" के रूप में जाने जाते हैं।
- **कैरियर:** 1926 से 1949 तक अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेली, 400 से अधिक गोल किये।

- **उपलब्धियां:** 1928, 1932 और 1936 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा।
- **ध्यानचंद पुरस्कार:** खेल में भारत का सर्वोच्च आजीवन उपलब्धि पुरस्कार, जिसकी स्थापना 2002 में की गई।
- **ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम:** 2002 में उनके सम्मान में इसका नाम बदला गया, यह नई दिल्ली में स्थित है।
- **राष्ट्रीय खेल दिवस:** उनकी जयंती (जन्म 29 अगस्त 1905) के उपलक्ष्य में 29 अगस्त को मनाया जाता है।
- **सम्मान:** भारत के राष्ट्रपति इस दिन प्रतिष्ठित एथलीटों को खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार प्रदान करते हैं।

सरकारी योजनाएँ

यूपी सरकार ने प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र को नया जिला घोषित किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र को एक नया जिला घोषित किया है, जिसका नाम **महाकुंभ मेला** रखा गया है। इस कदम का उद्देश्य आगामी महाकुंभ का बेहतर प्रबंधन और सुव्यवस्थित प्रशासन सुनिश्चित करना है, जो हर 12 साल में आयोजित होने वाला विश्व स्तर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है।

महाकुंभ मेला जिले के बारे में

- **सृष्टि का उद्देश्य**
  - महाकुंभ मेले के दौरान कुशल संगठन और प्रशासन की सुविधा प्रदान करना।
  - माघ मेला 2024 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घोषणा की गई।
- **आगामी महाकुंभ 2025**
  - **कार्यक्रम:** 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक।
  - **स्थान:** प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
  - **महत्व:** महाकुंभ से वैश्विक स्तर पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलने तथा लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के आकर्षित होने की उम्मीद है।
- **वैश्विक प्रभाव**
  - **यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** के रूप में मान्यता प्राप्त महाकुंभ मेला, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उत्तर प्रदेश की स्थिति को सुदृढ़ करेगा।
  - नवगठित जिला भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रमों के निर्बाध क्रियान्वयन के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा।

उत्तर प्रदेश के बारे में

- **गठन और ऐतिहासिक महत्व**
  - **गठन तिथि:** 24 जनवरी 1950, संयुक्त प्रांत से नाम बदलकर यह राज्य बना।
  - **राजधानी:** लखनऊ; न्यायिक राजधानी इलाहाबाद (प्रयागराज) है।

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: उत्तर प्रदेश (यूपी) ने सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** तक भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- **भूगोल**
  - **सीमाएँ:** उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और नेपाल के साथ सीमाएँ साझा करती हैं।
  - **नदियाँ:** गंगा, यमुना और घाघरा प्रमुख नदियाँ हैं।
  - **जलवायु:** गर्म ग्रीष्मकाल, मानसूनी वर्षा और ठंडी सर्दियाँ के मिश्रण वाली उपोष्णकटिबंधीय जलवायु।
- **जनसांख्यिकी**
  - **जनसंख्या:** जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य, भारत की कुल जनसंख्या का 16% से अधिक योगदान देता है।
  - **भाषाएँ:** मुख्यत: हिंदी और उर्दू।
  - **धर्म:** यह देश अपनी धार्मिक विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें हिंदू और इस्लाम प्रमुख धर्म हैं।
- **अर्थव्यवस्था**
  - **कृषि:** प्रमुख फसलों में गेहूं, गन्ना, चावल और दालें शामिल हैं, जो उत्तर प्रदेश को भारत का कृषि महाशक्ति बनाते हैं।
  - **उद्योग:** आईटी, वस्त्र, चमड़ा और हस्तशिल्प अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
  - **पर्यटन: ताजमहल, वाराणसी** और **प्रयागराज** जैसे स्थलों के साथ सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र।
- **सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत**
  - **तीर्थ स्थल:** वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा और वृन्दावन।
  - **त्यौहार:** होली, दिवाली, नवरात्रि और कुंभ मेला भव्यता के साथ मनाया जाता है।
  - **कला और संस्कृति:** कथक नृत्य, चिकनकारी कढ़ाई और अवधी व्यंजनों के लिए जाना जाता है।
- **संरक्षित क्षेत्र और जैव विविधता**
  - उल्लेखनीय पार्कों में **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, कैमूर वन्यजीव अभयारण्य** और **सोहागी बरवा वन्यजीव अभयारण्य** शामिल हैं।
  - बाघ, हाथी और प्रवासी पक्षियों जैसी प्रजातियों के साथ समृद्ध जैव विविधता।
- **शासन**
  - **राजनीतिक प्रभाव:** उत्तर प्रदेश भारतीय राजनीति में सबसे अधिक लोकसभा (80) और राज्यसभा (31) सीटों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - **मुख्यमंत्री:** योगी आदित्यनाथ।
  - **राज्यपाल:** आनंदीबेन पटेल (नवीनतम अपडेट के अनुसार)
- **बुनियादी ढांचा और विकास**
  - **परिवहन: पूर्वांचल एक्सप्रेसवे** और **यमुना एक्सप्रेसवे** जैसे एक्सप्रेसवे के हालिया विकास के साथ हवाई, सड़क और रेल द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।
  - **शहरी विकास:** लखनऊ और कानपुर जैसे स्मार्ट शहर भारत की शहरी परिवर्तन पहल का हिस्सा हैं।

मनरेगा

चर्चा में क्यों?

एक संसदीय पैनल ने मनरेगा श्रमिकों का वेतन बढ़ाने की जोरदार वकालत करते हुए कहा है कि वर्तमान भुगतान जीवन की बढ़ती लागत के अनुरूप नहीं है।

प्रमुख बिंदु

- **लॉन्च:** 2005
- **योजना का प्रकार:** केंद्र प्रायोजित योजना
- **नोडल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय
- **उद्देश्य:** अकुशल शारीरिक कार्य करने वाले ग्रामीण परिवारों को कम से कम 100 दिनों का गारंटीकृत मजदूरी रोजगार उपलब्ध कराना और आजीविका सुरक्षा बढ़ाना।

- **लक्ष्य समूह:** पंजीकृत ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्य (18+ वर्ष) जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हों।

मनरेगा योजना अवलोकन

- **काम करने का कानूनी अधिकार:** मनरेगा अधिनियम (2005) ग्रामीण परिवारों को 100 दिन की मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है, अकुशल श्रम को कानूनी अधिकार के रूप में प्रदान करता है और आजीविका सुरक्षा को बढ़ावा देता है। यह सूखा या आपदा प्रभावित क्षेत्रों में 50 अतिरिक्त दिन का रोजगार भी प्रदान करता है।
- **कवरेज:** यह योजना 100% शहरी आबादी वाले जिलों को छोड़कर पूरे भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करती है।
- **मांग-संचालित ढांचा:** मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। यदि 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है (30 दिनों के लिए न्यूनतम मजदूरी का एक-चौथाई और उसके बाद आधा)।
- **विकेन्द्रीकृत योजना:** स्थानीय पंचायती राज संस्थाएं (पीआरआई) कार्यों की योजना बनाने और क्रियान्वयन में प्रमुख भूमिका निभाती हैं, कम से कम 50% परियोजनाओं का प्रबंधन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है।

मनरेगा के घटक

- **परियोजना उन्नति:** प्रति परिवार एक वयस्क को प्रशिक्षण प्रदान करके लाभार्थियों को मनरेगा पर निर्भरता कम करने के लिए कौशल प्रदान करना।
- **क्लस्टर सुविधा परियोजना (सीएफपी):** अन्य सरकारी कार्यक्रमों के साथ अभिसरण के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण आजीविका प्रदान करती है।
- **बेयरफुट टेक्नीशियन (बीएफटी):** परियोजना प्रबंधन और निष्पादन के लिए सिविल इंजीनियरिंग कौशल में मनरेगा श्रमिकों को प्रशिक्षित करता है।
- **लोकपाल:** शिकायतों को निपटाने तथा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक जिले में नियुक्त किया जाता है।
- **मिशन अमृत सरोवर:** एक जल संरक्षण पहल जिसका लक्ष्य प्रति जिले 75 अमृत सरोवर का निर्माण करना है।
- **आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस): यह** लाभार्थियों को प्रत्यक्ष एवं पारदर्शी वेतन भुगतान सुनिश्चित करती है, जिससे धोखाधड़ी और देरी में कमी आती है।
- **सामाजिक अंकेक्षण:** ग्राम सभा कार्यों की पारदर्शिता और उचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के लिए अंकेक्षण करती है।

प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पहल

- जियो-मनरेगा: बेहतर निगरानी के लिए मनरेगा के तहत बनाई गई परिसंपत्तियों को जियो-टैग करने के लिए एक सहयोग।
- जन्मनरेगा ऐप: उपस्थिति, भुगतान स्थिति और परिसंपत्ति स्थानों पर नज़र रखने के लिए एक बहुभाषी ऐप।
- नरेगा सॉफ्ट: सभी स्तरों पर मनरेगा गतिविधियों को रिकॉर्ड करने और प्रबंधित करने के लिए एक वेब-आधारित प्रणाली।

किसान कवच योजना

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने किसान कवच का अनावरण किया, जो भारत का पहला कीटनाशक रोधी बॉडीसूट है जिसका उद्देश्य किसानों को हानिकारक कीटनाशकों से बचाना है।

किसान कवच क्या है?

किसान कवच एक बॉडीसूट है जिसे किसानों को कीटनाशकों से होने वाली विषाक्तता से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे सांस संबंधी विकार, दृष्टि हानि और यहां तक कि मृत्यु जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को रोका जा सकता है। यह एक धोने योग्य, पुन: उपयोग करने योग्य सूट है जो संपर्क में आने पर हानिकारक कीटनाशकों को निष्क्रिय करने के लिए उन्नत फैब्रिक तकनीक का उपयोग करता है।

योजना के घटक

- ब्रिक-इनस्टेम, बैंगलोर द्वारा सेपियो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया गया।
- इस सूट की कीमत 4,000 रुपये है और यह एक साल तक चल सकता है।
- यह कीटनाशकों को निष्क्रिय करने के लिए न्यूक्लियोफिलिक-मध्यस्थ हाइड्रोलिसिस का उपयोग करता है।
- कपड़े की यह तकनीक किसानों को विषैले कीटनाशकों से बचाती है।

लाभ

- किसानों को शारीरिक सुरक्षा प्रदान करता है, उनके स्वास्थ्य की रक्षा करता है।
- कीटनाशक से उत्पन्न विषाक्तता को कम करने तथा सुरक्षा बढ़ाने में सहायता करता है।
- कृषि को अधिक टिकाऊ और जलवायु-लचीला बनाने की दिशा में एक कदम।
- भारत की जैव-अर्थव्यवस्था और जैव-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के विकास को समर्थन प्रदान करता है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन

चर्चा में क्यों?

आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए "सभी के लिए आयुष: राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य देखभाल" शीर्षक से एक फिल्म श्रृंखला शुरू की।

'आयुष' का अर्थ

- 'आयुष' से तात्पर्य पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल और उपचार प्रणालियों से है, जिनमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं।
- इन भारतीय चिकित्सा प्रणालियों की विशेषता उनकी विविधता, लचीलापन, पहुंच, सामर्थ्य और व्यापक सार्वजनिक स्वीकृति है। वे लागत-प्रभावी हैं और महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य रखते हैं, जिससे वे आबादी के बड़े हिस्से की स्वास्थ्य देखभाल की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त हैं।

प्रमुख बिंदु

आरंभ

- राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) को 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आयुष विभाग द्वारा सितंबर 2014 में लॉन्च किया गया था।
- अब इसका क्रियान्वयन आयुष मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

बारे में

- राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम), एक केन्द्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से निवारक देखभाल को बढ़ावा देना और आयुष प्रणालियों को मुख्यधारा के सार्वजनिक स्वास्थ्य में एकीकृत करना है।
- यह विशेष रूप से दूरदराज और कमजोर क्षेत्रों में आयुष स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा प्रदान करने में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को सहायता प्रदान करके स्वास्थ्य सेवाओं में अंतराल को दूर करता है।

केन्द्रीय क्षेत्र और केन्द्र प्रायोजित योजनाएं क्या हैं?

केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं

- संघ सूची के विषयों के आधार पर पूर्णत: केन्द्र सरकार द्वारा तैयार एवं वित्तपोषित।
- इसका डिजाइन और नियोजन पूर्णत: केन्द्र सरकार द्वारा किया गया है।
- उदाहरण: प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और खेलो इंडिया योजना।

केंद्र प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस)

- केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित।
- राज्य की योजनाओं को समर्थन देने के लिए केंद्र के लिए एक वित्तीय चैनल के रूप में कार्य करना।
- वित्तपोषण का एक निश्चित प्रतिशत राज्यों द्वारा दिया जाता है, जो राज्य दर राज्य अलग-अलग होता है, जबकि अधिकांश वित्तपोषण केन्द्र द्वारा किया जाता है।
- इसका कार्यान्वयन राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन के घटक

अनिवार्य घटक

- आयुष सेवाएं.
- आयुष शैक्षणिक संस्थान।
- एएसयू&एच (आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी) दवाओं का गुणवत्ता नियंत्रण।
- औषधीय पौधे.

लचीले घटक

- आयुष कल्याण केंद्र योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रदान करते हैं।
- टेलीमेडिसिन पहल.
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी सहित आयुष में नवाचार।
- आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियाँ।
- स्वैच्छिक प्रमाणन योजनाएं (परियोजना-आधारित)।

अपेक्षित परिणाम

- बेहतर सुविधाओं, दवाओं और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ आयुष स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच।
- सुसज्जित संस्थानों के माध्यम से आयुष शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा।
- आयुष प्रणालियों का उपयोग करके लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से संचारी और गैर-संचारी रोगों में कमी लाना।

समाचार में अन्य सरकारी योजनाएं

पहल/योजनाएं	द्वारा तैयार	विवरण
शून्य अपशिष्ट हवाई अड्डा परियोजना	इंडिगोरीच, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और एएएस फाउंडेशन के साथ	इंडिगोरीच ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और एएएस फाउंडेशन, इंदौर के साथ साझेदारी में इंदौर हवाई अड्डे पर जीरो वेस्ट एयरपोर्ट परियोजना शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हवाई अड्डा बनाना है।
राष्ट्रपर्व वेबसाइट और मोबाइल ऐप	रक्षा मंत्रालय	रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाने और सुशासन दिवस मनाने के लिए राष्ट्रपर्व वेबसाइट और मोबाइल ऐप का अनावरण किया। रक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म गणतंत्र दिवस, बीटिंग रिट्रीट और स्वतंत्रता दिवस जैसे प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।
उड़ान यात्री कैफे	भारतीय सरकार	इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को किफायती जलपान उपलब्ध कराना है, जिसकी शुरूआत कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से की जा रही है।
एनएच-44 पर भारत का पहला बायो-बिटुमेन आधारित राष्ट्रीय राजमार्ग खंड	यह तकनीक प्राज इंडस्ट्रीज द्वारा सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीबीआई) के सहयोग से विकसित की गई है।	केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर के मानसर में NH-44 पर भारत के पहले बायो-बिटुमेन-आधारित राष्ट्रीय राजमार्ग खंड का उद्घाटन किया। CRRI, NHAI और ओरिएंटल के सहयोग से प्राज इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित लिग्निन-आधारित बायो-बिटुमेन तकनीक का उपयोग करते हुए यह मील का पत्थर सड़क बुनियादी ढांचे में स्थिरता और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाता है।
स्वामित्व योजना	पंचायती राज मंत्रालय	स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ गांवों का सर्वेक्षण और मानचित्रण) योजना पंचायती राज मंत्रालय, राज्य पंचायती राज विभागों, राज्य राजस्व विभागों और भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत के लिए एक एकीकृत संपत्ति सत्यापन समाधान प्रदान करना है।

महत्वपूर्ण दिन

विश्व एड्स दिवस 2024

- यह प्रतिवर्ष 1 तारीख को मनाया जाता है।
- **सर्वप्रथम पहल:** 1988
- **उद्देश्य:** एचआईवी (मानव इम्यूनो डेफिसिएंसी वायरस) / एड्स (अधिग्रहित इम्यून डेफिसिएंसी सिंड्रोम) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों को एकजुट करने हेतु एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करना।
- **थीम 2024:** "सही रास्ता अपनाएं: मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार!"

एचआईवी (मानव इम्यूनो डेफिसिएंसी वायरस) / एड्स (एक्वायर्ड इम्यून डेफिसिएंसी सिंड्रोम) क्या है?

- एचआईवी एक वायरस है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर के लिए संक्रमणों और बीमारियों से लड़ना कठिन हो जाता है।
- यह किसी संक्रमित व्यक्ति के कुछ शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है, मुख्यत: असुरक्षित यौन संबंध के दौरान या इंजेक्शन दवा उपकरणों को साझा करने के दौरान।
- यदि इसका उपचार न किया जाए तो एचआईवी एड्स में परिवर्तित हो सकता है, जो संक्रमण का सबसे उन्नत चरण है।

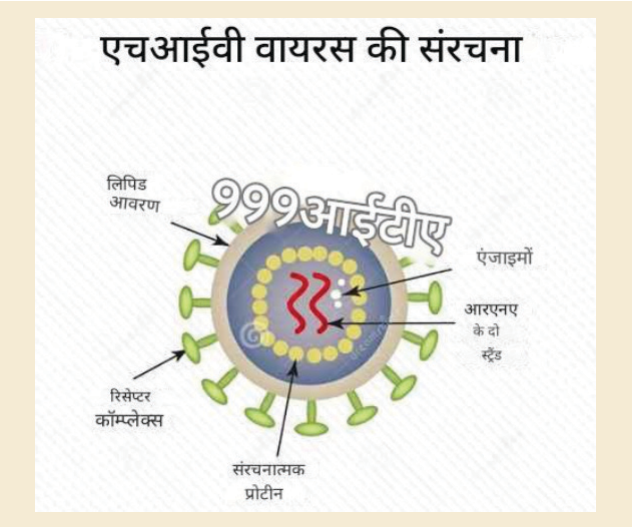

2. हॉर्नबिल महोत्सव

चर्चा में क्यों?

नागालैंड का प्रतिष्ठित **हॉर्नबिल महोत्सव** अपनी 25वीं वर्षगांठ मना रहा है, जिसमें राज्य की जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और एकता का जश्न मनाया जाता है। यह भव्य आयोजन नागालैंड की परंपराओं और कलात्मकता को उजागर करते हुए वैश्विक ध्यान आकर्षित करता रहता है।

हॉर्नबिल महोत्सव के बारे में

- प्रतिवर्ष **1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक** आयोजित किया जाता है।
- **कोहिमा, नागालैंड** से 12 किमी दूर, **किसामा स्थित नागा हेरिटेज गांव** में आयोजित किया गया।

- **उद्देश्य और महत्व**
  - इसे **"त्योहारों के त्यौहार" के रूप में मनाया जाता है, जो अंतर-जनजातीय संपर्क को** बढ़ावा देता है और **नागा विरासत को** संरक्षित करता है।
  - **पारंपरिक कला, रीति-रिवाजों और लोककथाओं को** प्रदर्शित करना तथा उनका पुनरुद्धार सुनिश्चित करना।
  - **इसका नाम हॉर्नबिल पक्षी** के नाम पर रखा गया है, जो **नागा लोककथाओं** में एक पूजनीय प्रतीक है।
- **आयोजकों**
  - **नागालैंड पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभाग** द्वारा प्रबंधित।
  - **सभी 16 प्रमुख नागा जनजातियों** द्वारा समर्थित, सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना।
- **प्रमुख विशेषताएँ**
  - **सांस्कृतिक प्रदर्शन** - पारंपरिक गीत, नृत्य और आदिवासी समारोह।
  - **कला एवं शिल्प प्रदर्शनियाँ** - चित्रकारी, लकड़ी की नक्काशी, मूर्तियां और स्थानीय हस्तशिल्प का प्रदर्शन।
  - **खाद्य एवं हर्बल औषधि स्टॉल** - **प्रामाणिक नागा व्यंजन** और स्वदेशी उपचार पेश करते हैं।
  - **पारंपरिक प्रदर्शनियां** - **नागा मोरंग** (आदिवासी झोपड़ियाँ) और **पुष्प** प्रदर्शनी।
  - **स्वदेशी खेल** - **तीरंदाजी, नागा कुश्ती** और अन्य आदिवासी खेल जैसे आयोजन।
  - **आधुनिक आकर्षण** - फैशन शो, सौंदर्य प्रतियोगिताएं और प्रसिद्ध **हॉर्नबिल संगीत महोत्सव।**

हॉर्नबिल पक्षी के बारे में

- **वैज्ञानिक नाम:** ब्यूसेरोस बाइकोर्निस
- **संरक्षण की स्थिति**
  - **लाल सूची स्थिति:** असुरक्षित (VU)
  - **मानदंड:** A3cd+4cd (IUCN 2020)
- **स्थान:** दक्षिण-पश्चिम भारत, दक्षिणी हिमालय, दक्षिणी चीन में पाया जाता है, तथा इंडोचीन, प्रायद्वीपीय मलेशिया और सुमात्रा तक फैला हुआ है।
- **व्यवहार और आवास:**
  - प्राथमिक सदाबहार और नम पर्णपाती वनों में पाया जाता है।
  - यह 600-1,000 मीटर की ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों को पसंद करता है, लेकिन हिमालय की तराई में 2,000 मीटर तक की ऊंचाई तक पहुंच सकता है।
  - सामान्यत: गतिहीन होते हैं, लेकिन भोजन की तलाश में घूमते रहते हैं, विशेषकर प्रजनन काल के अलावा।
- **खतरे और संरक्षण:**
  - आवास की क्षति, वनों की कटाई और शिकार के कारण असुरक्षित।
  - अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक वनों के संरक्षण तथा कठोर शिकार-रोधी उपायों की आवश्यकता है।

हॉर्नबिल

मानवाधिकार दिवस

- यह विश्व स्तर पर **10 दिसंबर** को मनाया जाता है ।
- **यह मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर)** को अपनाने की याद दिलाता है, जो सभी मनुष्यों के अविभाज्य अधिकारों को रेखांकित करता है।
- इसकी घोषणा **10 दिसम्बर 1948 को पेरिस** में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा की गई थी।
- **2024 थीम:** "हमारे अधिकार, हमारा भविष्य, हमारा वर्तमान "
  - यह मानवाधिकारों की सुरक्षा की तात्कालिकता पर प्रकाश डालता है।

मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर)

- यह जाति, धर्म, लिंग, राष्ट्रीयता या स्थिति से परे समानता और स्वतंत्रता की वकालत करता है।
- यह मौलिक अधिकारों को संरक्षण के सार्वभौमिक मानक के रूप में स्थापित करता है।
- यह अंतर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय कानूनों एवं नीतियों के लिए रूपरेखा का काम करता है।
- यह **सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा** का अभिन्न अंग है।
- इसका **577 भाषाओं** में अनुवाद किया गया है, जिससे यह विश्व भर में सबसे अधिक अनुवादित दस्तावेज़ बन गया है।

किसान दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाने और कृषक समुदाय में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए 23 दिसंबर को पूरे देश में 'किसान दिवस' या राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह

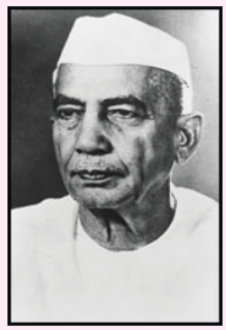

- **जन्म:** 1902, **नूरपुर**, जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश
- **भारत के प्रधान मंत्री: 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक** सेवा की
- **प्रमुख योगदान और विरासत**
  - **ग्रामीण एवं कृषि विकास के समर्थक चौधरी चरण सिंह भारत में कृषि** एवं **ग्रामीण विकास** की उन्नति के प्रबल समर्थक थे, तथा उनका ध्यान राष्ट्रीय योजना के केन्द्र में कृषि को रखने पर था।
  - **ऋण मोचन विधेयक, 1939 उन्होंने ऋण मोचन विधेयक, 1939** के **निर्माण और अंतिम रूप देने** में अग्रणी भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य साहूकारों के शोषण से पीड़ित किसानों को राहत प्रदान करना था।
  - **भूमि जोत अधिनियम, 1960 सिंह ने भूमि जोत अधिनियम, 1960** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसका उद्देश्य **भूमि जोत की अधिकतम सीमा को कम करना** था, ताकि राज्य भर में भूमि का अधिक न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित हो सके।
  - **साहित्यिक योगदान**
  - चौधरी चरण सिंह ने कई प्रभावशाली पुस्तकें और पुस्तिकाएं लिखीं, जिनमें शामिल हैं:
    - **जमींदारी उन्मूलन**
    - **सहकारी खेती का एक्स-रे**
    - **भारत की गरीबी और उसका समाधान**
    - **किसान स्वामित्व या श्रमिकों को भूमि**
    - **एक निश्चित न्यूनतम सीमा से नीचे जोत के विभाजन की रोकथाम**
- **मरणोपरांत सम्मान**
  - **30 मार्च 2024** को चौधरी चरण सिंह को किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **भारत रत्न से सम्मानित किया गया।**

राष्ट्रीय गणित दिवस 2024

चर्चा में क्यों ?

भारत विश्व के महानतम गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में 22 दिसंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस मनाता है।

श्रीनिवास रामानुजन कौन थे ?

- **जन्म:** 22 दिसम्बर, 1887, इरोड, तमिलनाडु।
- **शिक्षा:** 1903 में मद्रास विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति प्राप्त की, जिसे बाद में गणित पर विशेष ध्यान देने के कारण खो दिया।

- **उपलब्धियां:**
  - 1911 में अपना पहला पेपर प्रकाशित किया।
  - 1913 में ब्रिटिश गणितज्ञ जी.एच. हार्डी के साथ सहयोग शुरू किया।
  - 1918 में रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन के लिए चुने गए, इसके सबसे युवा सदस्यों में से एक बने और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज के पहले भारतीय फेलो बने।
- **मृत्यु:** 26 अप्रैल, 1920, 32 वर्ष की आयु में।

गणित में योगदान

- **सूत्र और समीकरण**
  - 3,900 गणितीय परिणाम संकलित किए गए, जिनमें **पाई के लिए एक अनंत श्रृंखला** और पाई के अंकों की गणना करने के लिए अपरंपरागत तरीके शामिल हैं।
- **खेल सिद्धांत**
  - ऐसे नवीन विचार विकसित किए जिनसे खेल सिद्धांत के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई।
- **रामानुजन की नोटबुक**
  - 1976 में पुन: खोजे गए उनके नोटबुक की विषय-वस्तु को बाद में एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया।
- **रामानुजन संख्या (1729)**
- अन्य योगदान
  - हाइपरजियोमेट्रिक श्रृंखला, रीमान श्रृंखला, दीर्घवृत्तीय समाकलन, मॉक थीटा फ़ंक्शन, डायवर्जेंट श्रृंखला और ज़ीटा फ़ंक्शन समीकरणों का अन्वेषण किया।

वीर बाल दिवस

बारे में

26 दिसंबर को अंतिम सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के चार पुत्रों, साहिबजादों की बहादुरी का सम्मान करने के लिए "वीर बल दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

साहिबज़ादों ज़ोरावर सिंह और फ़तेह सिंह

- साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह और साहिबज़ादा फ़तेह सिंह अत्यधिक सम्मानित सिख शहीद हैं।
- 1704 में, औरंगजेब के आदेश पर मुगल सेना ने आनंदपुर साहिब पर घेरा डाला और गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया।
- उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने पर आजादी की पेशकश की गई, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और उन्हें जिंदा ईंटों में डाल दिया गया।
- उन्होंने धर्म के सिद्धांतों से समझौता करने की बजाय मृत्यु को चुना।

गुरु गोबिंद सिंह

- **जन्म:** 22 दिसम्बर 1666 को पटना, बिहार में जन्मे।
- **भूमिका:** अपने पिता गुरु तेग बहादुर के निधन के बाद नौ वर्ष की आयु में दसवें सिख गुरु बने।
- **मृत्यु:** 1708 में हत्या कर दी गई।

योगदान

- धार्मिक
  - पगड़ी की शुरुआत की और पांच क के साथ खालसा के सिद्धांतों की स्थापना की
    - केश (बिना कटे बाल), कंगा (लकड़ी की कंघी), कड़ा (लोहे का कंगन), किरपान (खंजर), और कचेरा (छोटी पतलून)।
  - तम्बाकू, शराब और हलाल मांस से परहेज की वकालत की।
  - गुरु ग्रंथ साहिब को सिखों का शाश्वत गुरु घोषित किया गया।
- युद्ध
  - मुक्तसर (1705) और आनंदपुर (1704) की लड़ाई में मुगलों से लड़े, संघर्ष के दौरान अपनी मां और बेटों को खो दिया।
- साहित्यिक
  - जाप साहिब, बेंती चौपाई और जफरनामा (औरंगजेब को एक पत्र) जैसे ग्रंथ लिखे।
  - गुरु गोबिंद सिंह की विरासत साहस, भक्ति और साहित्यिक उत्कृष्टता का प्रतीक है।

सिक्किम का काग्येद नृत्य महोत्सव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सिक्किम के त्सुकलाखांग पैलेस में मनाया गया काग्येद नृत्य महोत्सव एक जीवंत बौद्ध परंपरा है जो बुराई पर विजय का प्रतीक है तथा नए वर्ष में शांति और समृद्धि का संदेश देता है।

काग्येद नृत्य महोत्सव: मुख्य बिंदु

त्यौहार विवरण

- यह त्यौहार सिक्किम में प्रतिवर्ष तिब्बती कैलेंडर के दसवें महीने के 28वें और 29वें दिन मनाया जाता है, जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार दिसंबर माह में पड़ता है।
- यह मंदिर आठ तांत्रिक देवताओं को समर्पित है, जिन्हें सामूहिक रूप से काग्येद के नाम से जाना जाता है।

समारोह

- यह उत्सव सिक्किम के विभिन्न मठों में मनाया जाता है, विशेषकर:
- पुराना रमटेक मठ
- फोडोंग मठ
- त्सुकलाखांग पैलेस
- भिक्षु पारंपरिक नृत्य करते हैं, भक्ति गीत गाते हैं और बुरी आत्माओं को दूर भगाने तथा स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए प्रार्थना करते हैं।

नृत्य की झलकियाँ

- काग्येद नृत्य, जिसे चाम भी कहा जाता है, इस त्यौहार का एक विशिष्ट प्रदर्शन है, जो सिक्किम के लिए अद्वितीय है।
- यह लूसोंग त्यौहार से दो दिन पहले किया जाता है।
- भिक्षु औपचारिक पोशाक पहनते हैं, तलवार चलाते हैं और लयबद्ध ढोल और सींगों की धुन पर नृत्य करते हुए जटिल मुखौटे पहनते हैं।
- प्रदर्शनों में बौद्ध पौराणिक कथाओं, विशेषकर गुरु पद्मसंभव और उनकी दिव्य शक्तियों पर केन्द्रित कथाओं को दर्शाया गया।

प्रतीकों

- यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतिनिधित्व करता है।
- ऐसा माना जाता है कि काग्येद नृत्य देखने से स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।
- यह त्यौहार आटे, लकड़ी और कागज से बने पुतलों के दहन के साथ संपन्न होता है, जो नकारात्मकता और दुर्भाग्य के विनाश का प्रतीक है।

सांस्कृतिक महत्व

- इस उत्सव में मानव, देवी-देवताओं और पशुओं के चित्र वाले रंग-बिरंगे मुखौटे पहने जाते हैं तथा विभिन्न बौद्ध मिथकों का वर्णन किया जाता है।
- विभिन्न बौद्ध त्योहारों के दौरान इसी प्रकार के मुखौटा नृत्य प्रस्तुत किये जाते हैं, जो सिक्किम की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को समृद्ध करते हैं।

संबंधित समारोह

- इस उत्सव में भूमि पूजा (चंडी पूजा) और साकेवा सिलिओर नृत्य भी शामिल होते हैं, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य का प्रतीक हैं।
- ये नृत्य पक्षियों, पशुओं और प्राकृतिक तत्वों की ध्वनियों और गतिविधियों की नकल करते हैं, तथा मानव और प्रकृति के बीच आध्यात्मिक बंधन को उजागर करते हैं।

संगठन

सीमा सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर

चर्चा में क्यों?

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की स्थापना के उपलक्ष्य में तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान के सम्मान में प्रतिवर्ष **1 दिसंबर को बीएसएफ दिवस मनाया जाता है।**

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बारे में

- **गठन और ऐतिहासिक महत्व**
  - **स्थापना:** 1 दिसम्बर 1965 को भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ, जिसने भारत की सीमा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया।
  - **आदर्श वाक्य:** "मृत्यु तक कर्तव्य", बीएसएफ कर्मियों के अटूट समर्पण का प्रतीक है।
  - **प्रमुख योगदानकर्ता:** भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी एफ. रुस्तमजी ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **गठन का कारण:** राज्य सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा सीमा सुरक्षा में छोड़ी गई खामियों को दूर करना और व्यापक सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करना।

- **नियम और जिम्मेदारियाँ**
  - **शांतिकालीन कर्तव्य:**
    - पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत की सीमाओं की रक्षा करना।
    - तस्करी और अनाधिकृत प्रवेश सहित सीमा पार अपराधों को रोकना।
    - खुफिया जानकारी एकत्र करना और सीमा निवासियों के बीच सुरक्षा को बढ़ावा देना।
  - **युद्धकालीन भूमिकाएँ:**
    - निर्धारित क्षेत्रों में अपनी स्थिति बनाये रखना।
    - अनियमित शत्रु सेनाओं के विरुद्ध सीमित आक्रमण करना।
    - सीमा पर कार्रवाई में भारतीय सेना की सहायता करना।
- **संगठनात्मक संरचना**
  - **प्रारंभिक व्यवस्था:** 25 बटालियन
  - **वर्तमान ताकत:** 192 बटालियन और लगभग 270,000 कार्मिक
  - **विशेष इकाइयाँ:**
    - सीमा पर गश्त बढ़ाने के लिए वायु और नौसेना विंग।
    - गोलाबारी सहायता के लिए आर्टिलरी रेजिमेंट।
    - विशेष क्षेत्रों में संचालन के लिए क्रीक क्रोकोडाइल कमांडो फोर्स और कैमल कंटिजेंट।
  - **भू-राजनीतिक संलग्नताएँ**
    - इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई:
    - 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध.
    - बांग्लादेश की मुक्ति.
    - वर्तमान परिचालन:
    - जम्मू एवं कश्मीर तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में उग्रवाद एवं आतंकवाद विरोधी कार्य।
    - **आधुनिकीकरण के प्रयास**
  - बीएसएफ सक्रिय रूप से उन्नत उपकरणों के साथ आधुनिकीकरण कर रहा है जैसे:
    - ऑल-टेरेन वाहन (एटीवी)।
    - परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष निगरानी उपकरण।

संयुक्त राष्ट्र मादक औषधि आयोग (यूएनसीएनडी)

चर्चा में क्यों?

भारत को पहली बार यूएनसीएनडी के 68 वें सत्र की अध्यक्षता के लिए चुना गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण प्रयासों में इसकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

यूएनसीएनडी के बारे में

- **उत्पत्ति:** संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) द्वारा 1946 में स्थापित।
  - अंतर्राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण संधियों के पर्यवेक्षण और कार्यान्वयन में सहायता के लिए बनाया गया।
- **सदस्यता:** इसमें ECOSOC द्वारा निर्वाचित 53 सदस्य देश शामिल हैं।
- **कार्य:**
  - संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) के शासी निकाय के रूप में कार्य करता है।
  - वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए रणनीति और रूपरेखा विकसित करना।
- **अधिदेश:**
  - वैश्विक दवा स्थिति की समीक्षा और विश्लेषण।
  - आपूर्ति में कमी (नशीली दवाओं पर नियंत्रण के उपाय) और मांग में कमी (जागरूकता और पुनर्वास कार्यक्रम) दोनों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

UNODC
United Nations Office on Drugs and Crime

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए)

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने पेरिस में ऊर्जा और एआई पर वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें डेटा केंद्रों से बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए नीति निर्माताओं और उद्योगों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जबकि एआई ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने में सहायता करता है।

आईईए के बारे में

- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस।
- **स्थापना:** 1974 में, 1973 के तेल संकट के जवाब में।
- **उद्देश्य:** ऊर्जा सुरक्षा, टिकाऊ ऊर्जा नीतियों, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना।
- **सदस्यता:**
  - 32 सदस्य देश।
  - 13 एसोसिएशन देश (भारत 2017 से एक सहयोगी सदस्य है)।
  - 4 परिग्रहण देश.
- **शामिल होने की आवश्यकता:**
  - ओईसीडी का सदस्य होना आवश्यक है।
  - साझा ऊर्जा लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता, जिसमें 90 दिनों के शुद्ध आयात के बराबर तेल भंडार बनाए रखना शामिल है।
- **प्रमुख रिपोर्टें:**
  - विश्व ऊर्जा आउटलुक
  - वैश्विक ईवी आउटलुक

iea

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ)

विश्व व्यापार संगठन की उत्पत्ति

- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) का स्थान लिया है, जिसकी स्थापना 1947 में की गई थी।
- विश्व व्यापार संगठन का निर्माण GATT वार्ता के उरुग्वे दौर (1986-1994) के परिणामस्वरूप हुआ तथा इसका आधिकारिक संचालन 1 जनवरी, 1995 को शुरू हुआ।
- 1994 में मोरक्को के माराकेश में हस्ताक्षरित माराकेश समझौते ने औपचारिक रूप से विश्व व्यापार संगठन की स्थापना की।

विश्व व्यापार संगठन के बारे में

- विश्व व्यापार संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो वैश्विक व्यापार के लिए नियम निर्धारित करता है।
- GATT के विपरीत, जो मुख्य रूप से वस्तुओं के व्यापार पर केंद्रित था, WTO में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - वस्तुओं का व्यापार
  - सेवाओं में व्यापार
  - बौद्धिक संपदा (डिजाइन, आविष्कार और व्यापार निर्माण सहित)
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विटजरलैंड

सदस्य

- विश्व व्यापार संगठन में यूरोपीय संघ सहित 164 देश सदस्य हैं।
- इसमें ईरान, इराक, भूटान और लीबिया जैसी 23 पर्यवेक्षक सरकारें भी हैं।
- भारत GATT (1947) और WTO (1995) दोनों का संस्थापक सदस्य है।

शासन की संरचना

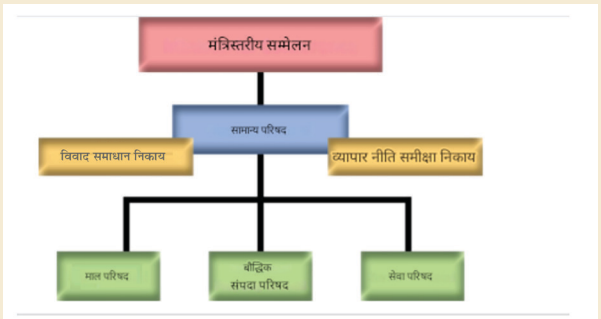

- **मंत्रिस्तरीय सम्मेलन:**
  - सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय, जिसमें सभी WTO सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
  - बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के अंतर्गत मामलों पर निर्णय लेने के लिए कम से कम हर दो वर्ष में बैठक होती है।
- **सामान्य परिषद्:**
  - इसमें सभी विश्व व्यापार संगठन के सदस्य शामिल होते हैं तथा यह मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को रिपोर्ट करता है।
  - दो रूपों में संचालित होता है:
    - विवाद निपटान निकाय: विवाद समाधान प्रक्रियाओं की देखरेख करता है।
    - व्यापार नीति समीक्षा निकाय: सदस्यों की व्यापार नीतियों की समीक्षा करता है।

उद्देश्य

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए नियम स्थापित करना और उन्हें लागू करना।
- व्यापार वार्ता के लिए एक मंच प्रदान करना और व्यापार उदारीकरण की निगरानी करना।
- सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों का समाधान करना।
- निर्णय लेने में पारदर्शिता बढ़ाना।
- अन्य अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों के साथ सहयोग करना।
- वैश्विक व्यापार से लाभ उठाने में विकासशील देशों की सहायता करना।

चर्चित व्यक्तित्व

तबला वादक - जाकिर हुसैन (1951 – 2024)

जन्म और प्रारंभिक जीवन

- उनका जन्म 9 मार्च 1951 को बम्बई, भारत में हुआ था।
- प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्लाह रक्खा के पुत्र जाकिर हुसैन ने अपने पिता के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में छोटी उम्र में ही तबला प्रशिक्षण शुरू कर दिया था।

जीवन-यात्रा और योगदान

- एक वैश्विक प्रतीक, जाकिर हुसैन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को जैज़, विश्व संगीत और फ्यूजन के साथ सहजता से मिश्रित किया।
- उन्होंने रविशंकर, जॉन मैकलॉघलिन और जॉर्ज हैरिसन जैसे संगीत दिग्गजों के साथ काम किया।
- वह फ्यूजन ग्रुप "शक्ति" के संस्थापक सदस्य थे, जिसने इंडो-वेस्टर्न संगीत सहयोग में क्रांति ला दी।

मुख्य सफलतायें

- सर्वश्रेष्ठ समकालीन विश्व संगीत एल्बम के लिए ग्रैमी पुरस्कार (2009)
- भारतीय संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण (2002) से सम्मानित किया गया।
- प्रदर्शन और शिक्षण के माध्यम से विश्व स्तर पर तबला को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगीतमय तरीका

- अपनी जटिल लय, तकनीकी प्रतिभा और रचनात्मकता के लिए प्रसिद्ध।
- उनके तबला वादन में पारंपरिक तकनीकों का आधुनिक नवाचारों के साथ सम्मिश्रण है, जो एक विशिष्ट तात्कालिक शैली की विशेषता है।

मृत्यु और विरासत

15 दिसंबर 2024 को उनका निधन हो गया, उन्हें भारतीय संस्कृति के राजदूत के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने संगीत की दुनिया में अपने योगदान के लिए दुनिया भर में पहचान बनाई।

श्याम बेनेगल (1934 – 2024)

जन्म और प्रारंभिक जीवन

- श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को त्रिमुलघेरी, हैदराबाद, ब्रिटिश भारत [अब तिरुमलागिरी, हैदराबाद, तेलंगाना, भारत] में हुआ था।

- वह एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और भारत में समानांतर सिनेमा आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे।

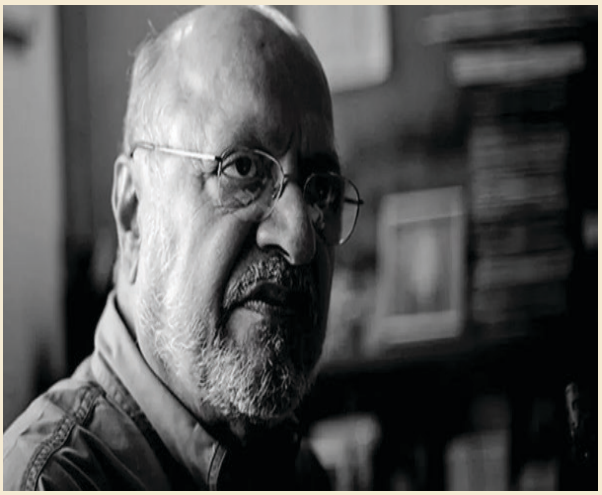

जीवन-यात्रा और योगदान

- **बेनेगल यथार्थवादी** और **सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों** पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय सिनेमा में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।
- उनकी **पहली फिल्म** अंकुर (1974) **ग्रामीण जीवन** और **सामाजिक मुद्दों** के चित्रण के लिए भारतीय सिनेमा में एक **मील का पत्थर** मानी जाती है।
- **उन्होंने निशांत**, **मंथन** और **भूमिका** जैसी कई **समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों का निर्देशन किया, जो लैंगिक असमानता**, **जातिगत भेदभाव** और **राजनीतिक संघर्ष** जैसे विषयों पर आधारित थीं।
- बेनेगल का काम उसकी **गहराई**, **प्रामाणिकता और सामाजिक सरोकारों** पर प्रकाश डालने की क्षमता के लिए जाना जाता है।
- उन्होंने भारतीय टेलीविज़न में भी योगदान दिया, विशेष रूप से **श्रृंखला भारत एक खोज** के साथ, जिसमें भारत के इतिहास को खूबसूरती से दर्शाया गया।

मुख्य सफलतायें

- बेनेगल को अपने करियर के दौरान अनेक पुरस्कार मिले, जिनमें भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित **पद्मश्री** और **पद्म भूषण भी शामिल हैं।**
- उन्हें भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे **प्रभावशाली फिल्म निर्माताओं में से एक और समानांतर सिनेमा आंदोलन** में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है।

परंपरा

- 23 दिसंबर 2024 को उनका निधन हो गया और वे अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए जिसने भारतीय सिनेमा की दुनिया को समृद्ध किया है।

अटल बिहारी वाजपेयी

- **जन्म:** 25 दिसम्बर 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में जन्मे।
- **राजनीति में प्रवेश:** भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसने ब्रिटिश शासन के अंत में योगदान दिया।
- **प्रारंभिक जीवन-यात्रा:** 1947 में राष्ट्रधर्म, पांचजन्य, स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे समाचार पत्रों के लिए पत्रकार के रूप में काम किया।
- **राजनीतिक यात्रा:** 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रभाव में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए।
- **भारत के प्रधान मंत्री:** 1996 और 1999 में दो बार प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया।
- **पुरस्कार:**
  - 1994 में सर्वश्रेष्ठ सांसद के लिए पंडित गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार प्राप्त किया।

- 1994 में पद्म विभूषण और 2015 में भारत रत्न से सम्मानित।
- **विरासत:** 16 अगस्त 2018 को निधन हो गया, उन्हें विधायकों के लिए एक सम्मानित नेता और आदर्श के रूप में याद किया जाता है।

डॉ. मनमोहन सिंह

जन्म और प्रारंभिक जीवन

- उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को गाह गांव (पंजाब, अब पाकिस्तान में) में हुआ था।
- सिंह ने पंजास विश्वविद्यालय और उसके बाद ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में अध्ययन किया, जहां उन्होंने ऐसी डिग्रियां हासिल कीं, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था में उनके भावी योगदान की नींव रखी।

जीवन-यात्रा

- मनमोहन सिंह ने अपना करियर पंजाब विश्वविद्यालय में शिक्षक के रूप में शुरू किया।
- उन्होंने भारत सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, जिनमें शामिल हैं:
  - मुख्य आर्थिक सलाहकार
  - वित्त मंत्रालय में सचिव
  - भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर
  - योजना आयोग के उपाध्यक्ष
- अर्थशास्त्र में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें महत्वपूर्ण भूमिकाएं दिलाईं, जहां उन्होंने नीति और आर्थिक रणनीति को आकार दिया।

राजनीतिक यात्रा

- सिंह ने 1991 में प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के अधीन भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया।
- वह 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे, जो इस पद पर आसीन होने वाले पहले सिख के रूप में एक ऐतिहासिक क्षण था।
- प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल आर्थिक विकास और सुधारों पर केंद्रित रहा।

आर्थिक सुधार

- **1991 आर्थिक उदारीकरण:** सिंह को व्यापक रूप से भारत के आर्थिक उदारीकरण का वास्तुकार माना जाता है, जिसने अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, व्यापार बाधाओं को कम कर दिया और विदेशी निवेश को आकर्षित किया।
- वित्तीय संकट के दौरान, उन्होंने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे सतत विकास हुआ।
- प्रधान मंत्री के रूप में, उन्होंने समावेशी विकास और सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए मनरेगा और शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसी सामाजिक कल्याण योजनाएं शुरू कीं।
- **वैश्विक संबंध:** उन्होंने भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत किया और विश्व मंच पर आर्थिक विकास पर जोर दिया।

पुरस्कार और उपलब्धियों

- सार्वजनिक सेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 1987 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।
- सिंह को उनकी आर्थिक विशेषज्ञता के लिए विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई।
- भारत के इतिहास में परिवर्तनकारी काल के दौरान उनके नेतृत्व के लिए उन्हें विश्व स्तर पर सम्मान प्राप्त है।

मृत्यु और विरासत

- 26 दिसंबर, 2024 को 92 वर्ष की आयु में नई दिल्ली, भारत में उनका निधन हो गया।
- उन्हें भारत के सबसे प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और राजनेताओं में से एक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने देश के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी।

चर्चा में अन्य हस्तियां

व्यक्तित्व	विवरण	चर्चा में क्यों ?
जिमी कार्टर	पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति एवं नोबेल शांति पुरस्कार विजेता।	पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर, एक प्रतिष्ठित राजनेता और मानवतावादी, का 29 दिसंबर, 2024 को जॉर्जिया में उनके निवास पर 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
लक्ष्य सेन 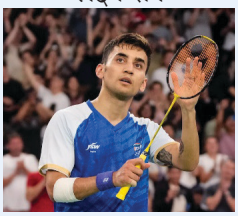	भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी	लक्ष्य सेन ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए एलेक्स लेनियर को हराकर किंग कप इंटरनेशनल बैडमिंटन ओपन में तीसरा स्थान हासिल किया।
डॉ. संदीप शाह	राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) के अध्यक्ष	डॉ. संदीप शाह ने नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज (एनएबीएल) के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, जो क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के तहत काम करने वाली एक इकाई है। स्वास्थ्य सेवा, पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक्स में तीन दशकों से अधिक की विशेषज्ञता के साथ, डॉ. शाह अपने समृद्ध अनुभव के साथ बोर्ड का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।
काम्या कार्तिकेयन	धावक	मुंबई के नेवी चिल्ड्रन स्कूल की 17 वर्षीय छात्रा काम्या कार्तिकेयन ने प्रत्येक महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़कर सात शिखरों को पूरा करने वाली विश्व की सबसे कम उम्र की महिला के रूप में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

चर्चित स्थल

नागालैंड

चर्चा में क्यों ?

62वां नागालैंड राज्य दिवस 1 दिसंबर 2024 को नागालैंड हाउस, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड, नई दिल्ली में मनाया गया।

नागालैंड के बारे में

- **राज्य का दर्जा:** 1 दिसंबर 1963; राजधानी कोहिमा है।
  - 13 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1962 ने नागालैंड राज्य की नींव रखी।
  - नागालैंड 1 दिसंबर 1963 को भारत के 16 वें राज्य के रूप में गठित हुआ था।
- **विधि निर्माण:** नागालैंड राज्य अधिनियम, 1962।
- **महत्व:** राष्ट्रवादी आंदोलनों को संबोधित करने और नागा जनजातियों के बीच राजनीतिक एकता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
  - स्वतंत्रता के बाद, नागा क्षेत्र असम का हिस्सा था।

- राष्ट्रवादी आंदोलनों ने राजनीतिक स्वायत्तता या अलगाव की मांग की।
- 1957: नागा हिल्स और तुएनसांग केंद्रीय प्रशासन के तहत एकजुट हुए।
- 1963: नागालैंड राज्य बना; 1964: लोकतांत्रिक सरकार स्थापित हुई।

- **भूगोल**
  - **सीमाएँ:** अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम और म्यांमार से लगती हैं।
  - **जलवायु:** मानसूनी, मुख्यत: मई-सितंबर के दौरान 70-100 इंच वार्षिक वर्षा होती है।
- **जैव विविधता**
  - **वनस्पति:** उष्णकटिबंधीय वन (ताड़, बांस, रतन, लकड़ी), उच्च ऊंचाई पर शंकुधारी वन, और स्थानांतरित खेती से द्वितीयक वृद्धि।
  - **जीव-जंतु:** विविध, जिनमें हाथी, बाघ, तेंदुए, मिथुन (राज्य पशु) और ब्लिथ ट्रैगोपैन (राज्य पक्षी) शामिल हैं।
- **जनजाति**
  - **प्रमुख जनजातियाँ:** कोन्याक, आओस, तांगखुल, सेमास और अंगामिस।
  - **अन्य जनजातियाँ:** लोथास, संगतम, फोम्स, चांग, यिमचुंगर्स, और अन्य।
- **अर्थव्यवस्था**
  - मुख्यत कृषि प्रधान; 90% जनसंख्या कृषि में लगी हुई है।
  - **मुख्य फ़सलें:** चावल, मक्का, बाजरा, दालें और आलू।
  - खाद्य सुरक्षा के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भरता।
- **संरक्षित क्षेत्र**
  - **इंटंकी राष्ट्रीय उद्यान**
  - **वन्यजीव अभयारण्य:** सिंगफान, पुलिए बाडज़े, फकीम
- **प्रमुख उत्सव:** हॉर्नबिल उत्सव (1-10 दिसंबर) राज्य की संस्कृति का जश्न मनाता है और विश्व भर से पर्यटकों को आकर्षित करता है।
- **अनोखा बिंदु:** नागालैंड के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 2000 में शुरू किया गया।

ऑस्ट्रेलिया

चर्चा में क्यों?

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए 4 से 6 दिसंबर 2024 तक नई दिल्ली में सीईसीए स्टॉकटेक बैठक का आयोजन किया।

ऑस्ट्रेलिया के बारे में

- **राजधानी:** कैनबरा
- **स्थान:** दक्षिणी गोलार्ध में हिंद और प्रशांत महासागर से घिरा एक देश और महाद्वीप।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** हिंद महासागर (पश्चिम और दक्षिण में), प्रशांत महासागर (पूर्व में), कोरल सागर, तस्मान सागर।
- **पड़ोसी देश:** न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी और इंडोनेशिया के निकट।
- **भौगोलिक विशेषताओं**
  - **जलवायु:** अधिकांशत: शुष्क या अर्द्ध-शुष्क; उत्तर में उष्णकटिबंधीय, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम में समशीतोष्ण।
- **प्रमुख प्राकृतिक विशेषताएँ:**
  - **रेगिस्तान:** ग्रेट विक्टोरिया रेगिस्तान, सिम्पसन रेगिस्तान।

- **रीफ्स:** ग्रेट बैरियर रीफ (विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली)।
- **पर्वत:** ग्रेट डिवाइडिंग रेंज.
- **सबसे ऊंची चोटी:** माउंट कोज़्स्कीस्ज़को (2,228 मीटर).
- **सबसे लंबी नदी:** मरे नदी

खेल

विश्व शतरंज चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों?

चेन्नई के 18 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी गुकेश 12 दिसंबर 2024 को चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए गुकेश अपने गुरु विश्वनाथन आनंद और डिंग के बाद यह खिताब जीतने वाले तीसरे एशियाई हैं। उनकी जीत 14 गेम के कड़े मुकाबले के बाद हुई, जिससे वे शतरंज के इतिहास में 18वें विश्व चैंपियन बन गए।

डी. गुकेश

विश्व शतरंज चैंपियनशिप के बारे में

- यह सबसे पुराने प्रतिस्पर्धी खेल आयोजनों में से एक है।
- **स्थापना:** 1886.
- **आयोजन:** द्विवार्षिक रूप से (प्रत्येक दो वर्ष में) आयोजित किया जाता है।
- **2024 स्थान:** सेंटोसा द्वीप, सिंगापुर।
- **महत्व:** यह विश्व के सर्वश्रेष्ठ शतरंज खिलाड़ी का निर्धारण करता है; इसके इतिहास में केवल **18 चैंपियनों को** ही यह खिताब मिला है।
- **पात्रता मापदंड:**
  - खिलाड़ी **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के माध्यम से अर्हता प्राप्त करते हैं।**
  - मौजूदा चैंपियन को स्वत: ही फाइनल में स्थान मिल जाता है।
  - कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रमुख वैश्विक शतरंज प्रतियोगिताओं के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेते हैं।
- **प्रथम उल्लेखनीय:** 2024 का मैच दो एशियाई खिलाड़ियों के बीच पहली बार मुकाबला था, जो एशिया में शतरंज के उदय को दर्शाता है।

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन 2024: पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने एकल खिताब हासिल किए

चर्चा में क्यों?

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने लखनऊ में सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन 2024 में महिला और पुरुष एकल खिताब जीते।

- **सिंधु की जीत:** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराकर अपना तीसरा सैयद मोदी खिताब जीतकर अपने खिताबी सूखे को समाप्त किया।
- **लक्ष्य का प्रभुत्व:** 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता ने बेजोड़ नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 21-6, 21-7 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय महिला एकल फाइनल में चीन की वू लुओ यू को हराकर दो साल का खिताबी सूखा समाप्त किया।

कोनेरू हम्पी ने विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती

चर्चा में क्यों?

भारतीय महिला शतरंज की अग्रणी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने न्यूयॉर्क में 37 वर्ष की आयु में अपना दूसरा महिला विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप खिताब जीता।

2024 विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप

- **आयोजक:** FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ) द्वारा संचालित।
- **प्रारूप:** तीव्र समय नियंत्रण (प्रति खिलाड़ी 15 मिनट, प्रत्येक चाल में 10 सेकंड की वृद्धि)।
- **उद्देश्य:** रैपिड शतरंज में विश्व चैंपियन का निर्धारण करना।
- **प्रतिभागी:** इसमें शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी शामिल होंगे।
- **महत्व:** विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का हिस्सा, जिसमें रणनीति और गति का संयोजन किया जाता है।

महत्वपूर्ण खेल आयोजन

महिला अंडर-19 टी-20 एशिया कप	भारत ने हाल ही में महिला अंडर-19 टी-20 एशिया कप में भाग लिया और फाइनल में बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा कर लिया।
आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025	भारत आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा, जो जूनियर निशानेबाजी प्रतियोगिता का 11वां संस्करण होगा और पहली बार देश में इसका आयोजन होगा।
पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप 2025	पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप का 12वां संस्करण चौथी बार एशिया में आयोजित किया जाएगा। भारत के लिए यह ऐतिहासिक पहला आयोजन होगा, क्योंकि 2025 में नई दिल्ली इस आयोजन की मेज़बानी करेगी।